www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 341 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
10 मार्च 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:22
सूर्यास्तः 06:12
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 07

विशेष समाचार | अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस ... >> पेज 04 | नॉनवेज खाते पुजारी की... >> पेज 06 | पॉप सिंगर रिहाना के घर ...

चर्चा की मांग : सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे फिर शुरू हुई। शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। बिड़ला के खिलाफ नोटिस को लेकर हंगामा हुआ। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पश्चिम एशिया के संघर्ष के मुद्दे पर था। विपक्षी नेता सरकार से इस युद्ध के बारे में देश की स्थिति स्पष्ट करने की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि संसद में इस पर विस्तार से बात हो और सरकार जवाब दे।

अखिलेश यादव बोले- भारत की विदेश नीति पर चर्चा जरूरी

समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा, 'अमेरिका यह तय कर रहा है कि हमें किससे तेल खरीदना चाहिए। भारत की विदेश नीति पर संसद में चर्चा होनी चाहिए।'

राहुल बोले- पश्चिम एशिया के युद्ध से हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा- पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध हमारी अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन हमारे कॉम्प्रोमाइज्ड प्रधानमंत्री में इस पर चर्चा करने का साहस नहीं है। शेयर बाजार गिर रहा है, LPG की कीमतें बढ़ रही हैं और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें ऐतिहासिक स्तर तक पहुंच रही हैं। इसका सीधा असर आम आदमी, घरेलू बजट और छोटे व मध्यम व्यवसायों पर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को ब्लैकमेल किया जा रहा है। उनके पास भारतीय जनता के हितों को बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मेरी बात याद रखिए, वे संसद में नहीं आएंगे।

खड़गे ने कहा- गल्फ में एक करोड़ लोग रहते हैं, इसलिए चिंता

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पश्चिम एशिया में तेजी से बदल रही जियो पॉलिटिकल हालात का असर भारत पर भी पड़ रहा है। भारत 55% एनर्जी को पश्चिम एशिया से पूरा करता है। अस्थिरता से भारत पर इसका असर पड़ता है 1 करोड़ भारतीय वहां पर काम करते हैं। हाल के हालात में कई भारतीय मारे गए और कई लापता हैं। सदन में विपक्ष का हंगामा शुरू हो गया।

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही खत्म हुई। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा।

सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया।

वहीं, आज विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है।

राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

67,000

- नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके -विदेश मंत्री
- तेहरान में हमारी एम्बेसी पूरी तरह से चालू है और हाई अलर्ट पर है। हम इस समय इंडियन कम्युनिटी को सपोर्ट करने के लिए कमिटेड हैं।

- एस जयशंकर
विदेश मंत्री

संसद सत्र पर अखिलेश की राय

अखिलेश यादव ने संसद सत्र पर कहा कि हमारी विदेश नीति भाजपा सरकार की वजह से कमजोर हो गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि विदेश में फंसे लोग कैसे सुरक्षित लौटेंगे। महंगाई पर भी उन्होंने चिंता जताई। अखिलेश ने कहा कि सरकार को इन मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि उन्हें नजरअंदाज करना। वहीं अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि बजट सत्र के बीच में ब्रेक हुआ था, तब मुद्दे अलग थे। लेकिन अब युद्ध जैसे हालात हैं। संकट के इस समय में प्राथमिकता इन विषयों पर होनी चाहिएः-

- युद्ध के बारे में देश का पक्ष और राय क्या है?
- विदेश नीति को गिरवी रखने का मुद्दा।
- तेल जैसी जरूरी चीजों पर खुद फैसला लेने की बजाय अमेरिकी आदेश मानना।
- देश की संप्रभुता और आत्मनिर्भरता का सवाल।
- युद्ध प्रभावित इलाकों में फंसे भारतीय कामगारों या पर्यटकों की सुरक्षा और उन्हें भारत लाने का मुद्दा।
- प्रधानमंत्री के साथ गए लेकिन युद्ध शुरू होने से भारत न लौट पाए पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को सुरक्षित वापस लाने का सवाल।
- युद्ध की वजह से जरूरी सामान की सप्लाई नियमित रखना और उनके बढ़ते दामों को काबू में करने का विषय।

राहुल गांधी 'विशेषर का डांस' के कैरेक्टर जैसे : दुबे

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- राहुल गांधी विपक्ष के ऐसे नेता हैं जिनके बारे में अगर मैं कुछ हिंदी शब्दों का इस्तेमाल करूंगा, तो वे बिहार में इस्तेमाल होने वाली भाषा में बहुत अपमानजनक लगेंगे और मैं उस लेवल पर नहीं जाना चाहता। बिहार में 'विशेषर का डांस' नाम का एक मशहूर परफॉर्मेंस होता था और वह उसी के एक कैरेक्टर जैसे हैं।

>> (शेष 06 पर)

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा- विपक्ष को दोनों सदनों में हंगामा करने की आदत है। वे काम नहीं करना चाहते। आज लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी, लेकिन उन्होंने यूएस-इजराइल बनाम ईरान विवाद पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा, विवाद पर भारत का रुख साफ है, हम चाहते हैं कि युद्ध खत्म हो और शांति बनी रहे।

फास्ट न्यूज

बंगाल पहुंचे चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

कोलकाता । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रविवार शाम को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने कोलकाता पहुंचे। 3 दिन चलने वाली चुनाव आयोग की फुल बेंच मीटिंग के बीच सोमवार को ज्ञानेश कुमार कालीघाट में पूजा करने पहुंचे।

मौसम अलर्ट

राजस्थान, गुजरात और हिमाचल में हीटवेव की चेतावनी

नई दिल्ली/ शिमला/ जयपुर/ भोपाल। मार्च के दूसरे हफ्ते में ही तेज गर्मी होने लगी है। मौसम विभाग ने सोमवार को राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और हिमाचल में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र के अकोला और राजस्थान के पिलानी-बाड़मेर में पारा 40°C का आंकड़ा पार कर गया है। विभाग ने जम्मू-कश्मीर, झारखंड, ओडिशा, बंगाल, बिहार, सिक्किम, केरल और आंध्र प्रदेश में बारिश की संभावना जताई है। IMD का कहना है कि एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बारिश करवाएगा।

दिल्ली से मैनचेस्टर की इंडिगो फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी

नई दिल्ली । दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 7 घंटे उड़ने के बाद वापस लौट आई। इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि फ़्लाइट 6E33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस आ गई। अधिकारी ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की वजह से आखिरी मिनट में एयरस्पेस पर रोक लग गई।

दिल्ली शराब नीति केस : हाइकोर्ट का सभी 23 आरोपियों को नोटिस

मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुनवाई नहीं करने का आदेश

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार (9 मार्च) को दिल्ली शराब नीति केस में पूर्व CM अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी CM मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की CBI अधिकारियों के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग (PMLA) मामले में ट्रायल कोर्ट आगे की सुनवाई तब तक टाल दे, जब तक हाईकोर्ट इस मामले पर आगे सुनवाई न कर ले।

- सीबीआई अफसर के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक

ट्रायल कोर्ट ने 27 फरवरी को इस मामले में सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया था। इसी आदेश को केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

CBI ने अपनी 974 पेज की याचिका में कहा है कि ट्रायल कोर्ट ने चार्ज फ्रेमिंग के चरण में ही मिनी-ट्रायल जैसा व्यवहार किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

तेहरान, इस्फहान समेत कई शहरों को निशाना बनाया, ईरान बोला- हमले जारी रहे तो बातचीत की गुंजाइश नहीं

इजराइल ने ईरान पर फिर शुरू किए हमले

जंग

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान । अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग का आज दसवां दिन है। इजराइल ने एक बार फिर ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए हैं। इजराइली सेना के मुताबिक राजधानी तेहरान, इस्फहान और दक्षिणी इलाकों में ईरानी शासन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर एयरस्ट्राइक किए जा रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जब तक हमले जारी हैं, तब तक बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है और ईरान निर्णायक जवाब देने पर ध्यान दे रहा है। लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में भी कई एयरस्ट्राइक की खबरें सामने आई हैं। इस बीच टाइम्स ऑफ इजराइल ने बताया कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

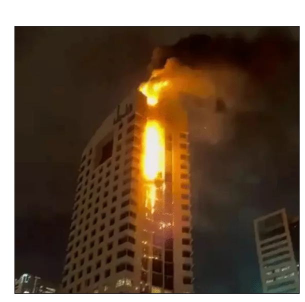

कुवैत की राजधानी कुवैत सिटी में शनिवार रात ईरानी ड्रोन अटैक के बाद एक बिल्डिंग में आग लग गई।

भारतीय दूतावास ने यह भी साफ किया कि बहरीन में उसका कामकाज सामान्य रूप से जारी है और जरूरत पड़ने पर नागरिकों को सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

ईरानी राष्ट्रपति बोले- मुजतबा का सुप्रीम लीडर बनना, जनता की इच्छा

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मोजतबा खामेनेई को देश का नया सुप्रीम लीडर बनाए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि उनका सुप्रीम लीडर बनना जनता की इच्छा का प्रतीक है।

सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में पेजेशकियन ने कहा कि खामेनेई के बुद्धिमान नेतृत्व और भरोसे तथा जनभागीदारी पर आधारित माहौल के जरिए ईरान की समस्याओं का समाधान संभव है।

35 साल से ईरान की सर्वोच्च सत्ता पर काबिज थे अली खामेनेई

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को US-इजराइल के हमले में मौत हो गई थी।

अयातुल्ला 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज थे। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी। इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया था। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक अयातुल्ला धर्मगुरु की एक पदवी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

बदलाव : सरकार ने 4 दिन समय बढ़ाया, ईरान जंग के बीच जमाखोरी रोकने के लिए फैसला

डिलीवरी के 25-दिन बाद ही अब दूसरा सिलेंडर बुक होगा

पैनिक बुकिंग की वजह से डिमांड में अचानक आए उछाल को देखते हुए शुक्रवार को तेल कंपनियों ने घरेलू एलपीजी बुकिंग के लिए 21 दिन का लॉक-इन पीरियड लागू किया था। जिसे बढ़ाकर अब 25 दिन कर दिया गया है। इससे पहले बुकिंग को लेकर ऐसा कोई नियम नहीं था।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की रीफिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन के बजाय 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। मिडिल ईस्ट टेंशन के बीच सरकार ने यह कदम गैस की जमाखोरी रोकने और सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा था कि जरूरत न होने पर भी लोग सिलेंडर बुक करके स्टॉक कर रहे थे।

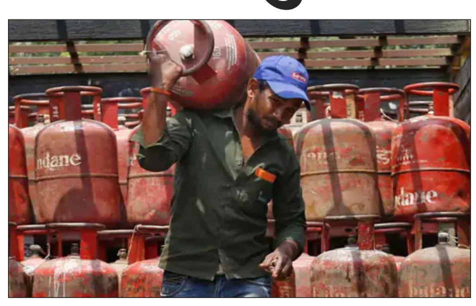

2 दिन पहले सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम का LPG गैस सिलेंडर अब 913 रुपए का मिल रहा।

>> (शेष पेज 06 पर)

2 दिन पहले सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 60 बढ़ाए

2 दिन पहले सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की LPG गैस अब 913 रुपए की मिल रही है। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिल रहा है। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। यानी ये बढ़ोतरी करीब एक साल बाद की गई है। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने गैस के दामों में बढ़ोत्तरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस की किल्लत की आशंका जताई गई है।

ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदेगा इंडोनेशिया

ब्रह्मोस पाने वाला फिलीपींस पहला बाहरी देश

एग्रीमेंट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के लिए भारत के साथ एक एग्रीमेंट किया है। इंडोनेशिया डिफेंस मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन रिको रिकार्डो सिरैत ने सोमवार को न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को ये जानकारी दी। भारत और रूस की को-ओनरशिप वाली कंपनी ब्रह्मोस ने रॉयटर्स को बताया कि वह जकार्ता के साथ $200 मिलियन से $350 मिलियन की डील पर एडवांस्ड बातचीत कर रही है। रिको ने कहा कि यह एग्रीमेंट मिलिट्री हार्डवेयर और डिफेंस कैपेबिलिटीज़ के मॉडर्नाइजेशन का हिस्सा है। इससे पहले फिलीपींस ने भी ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदा था। भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की पहली खेप 19 अप्रैल 2024 को सौंपी थी।

- 200 मिलियन डॉलर से 350 मिलियन डॉलर की डील पर बातचीत जारी इससे पहले फिलीपींस ने खरीदी थी

>> (शेष पेज 06 पर)

ग्रामीण स्वच्छता में यूपी अव्वल, प्रथम चरण में 2.74 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का यूपी में बड़ा कीर्तिमान

योजना

■ 100% ओडीएफ प्लस राज्य बना उत्तर प्रदेश।

स्वच्छता के क्षेत्र में ग्राम पंचायतें बन रहीं मिसाल, सरकार दे रही विशेष प्राथमिकता- मा. पंचायती राज मंत्री

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण में 57 लाख से अधिक व्यक्तिगत और 59 हजार से ज्यादा सामुदायिक शौचालयों का निर्माण।
देश में सर्वाधिक शौचालय निर्माण करने वाला राज्य बना उत्तर प्रदेश।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार के सतत प्रयासों और पंचायती राज विभाग की प्रभावी कार्यशैली के चलते स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण में उत्तर प्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रथम चरण में प्रदेश को 100 प्रतिशत ओडीएफ राज्य घोषित किया जा चुका है, जो ग्रामीण स्वच्छता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और जनसहभागिता का परिणाम है। योजना के द्वितीय चरण में ओ.डी.एफ के स्थायित्व के साथ-साथ स्वच्छता के क्षेत्र में प्रदेश की ग्राम पंचायतों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में 95,767 गांवों ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के साथ स्वयं को ओडीएफ+ घोषित किया है, जबकि 94,723 से अधिक गांवों को ओडीएफ प्लस का दर्जा प्राप्त हो चुका है। यह उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति बढ़ती जागरूकता और बेहतर प्रबंधन को दर्शाती है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रथम चरण के अंतर्गत प्रदेश में 2.74 करोड़ से अधिक इज्जत घर/व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक शौचालय निर्माण करने वाला राज्य बनकर उभरा है। वहीं मिशन के द्वितीय चरण (फेज-2) के अंतर्गत अब तक 57,25,291 व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए 59,165 सामुदायिक शौचालयों का भी निर्माण किया गया है। मा. पंचायती राज मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ग्रामीण स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि शौचालय निर्माण के साथ-साथ उनके नियमित उपयोग, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मा. पंचायती राज मंत्री ने कहा कि प्रदेश की ग्राम पंचायतें स्वच्छता के क्षेत्र में देश के लिए प्रेरणास्रोत बन रही हैं और सरकार भविष्य में भी इस दिशा में निरंतर कार्य करती रहेगी।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) को जन आंदोलन का स्वरूप मिला

निदेशक पंचायती राज विभाग श्री अमित कुमार सिंह ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) को जन आंदोलन का स्वरूप मिला है। ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से प्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य अब ओडीएफ प्लस की दिशा में और अधिक ग्राम पंचायतों को जोड़ते हुए स्वच्छता को स्थायी आदत बनाना है।

लखनऊ नगर निगम के 2 टैक्स इंस्पेक्टर सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

■ 2 सुपरिटेंडेंट को नोटिस, नगर आयुक्त ने खराब कलेक्शन पर एक्शन लिया

लखनऊ । लखनऊ में हाउस टैक्स की वसूली में खराब प्रदर्शन करने वाले 2 टैक्स इंस्पेक्टर को नगर आयुक्त ने सस्पेंड कर दिया है। जोन-6 में तैनात अकेंद्रित सेवा के टैक्स इंस्पेक्टर इसरार और जोन-3 के टैक्स इंस्पेक्टर शाहन हुसैन पर यह कार्रवाई की है। इन दोनों को नगर निगम मुख्यालय से अटैच किया गया है।

निलंबन की कार्रवाई के अलावा नगर आयुक्त ने जोन-8 के टैक्स सुपरिटेंडेंट रामअचल और सुरेंद्र सिंह को टैक्स वसूली में खराब प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रविष्टि का नोटिस जारी किया है। इन दोनों के खिलाफ भी जल्द ही विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त गौरव कुमार लगातार टैक्स वसूली में गिरावट को देखते हुए अफसरों से नाराजगी जता रहे थे। बीते दो दिनों से टैक्स वसूली में इजाफा न होने से रविवार देर रात 10 बजे अचानक नगर आयुक्त ने सभी अपर नगर आयुक्त, जोनल अफसर और टैक्स सुपरिटेंडेंट को गोमतीनगर स्थित एसबीएम कार्यालय में तलब कर लिया। इसके बाद सभी अफसरों की जमकर क्लास लगाई गई। नगर आयुक्त के अचानक इस बुलावे पर कई अफसर देरी से पहुंचे। इस पर भी नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई। हालांकि, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार तय समय पर पहुंच गए थे।

फास्ट न्यूज

केशव और ब्रजेश पाठक एक घंटे तक फ्लाइट में फंसे

लखनऊ । यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को करीब 1 घंटे तक इंडिगो की फ्लाइट में फंसे रहे। दोनों लखनऊ एयरपोर्ट से फ्लाइट लेकर कोलकाता जा रहे थे।

टेकऑफ से ऐन पहले पायलट को विमान में तकनीकी खराबी का पता चला। उसने तत्काल एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को सूचना दी। इंजीनियरिंग टीम को बुलाया।

लखनऊ में लाठी से पीटकर पिता की हत्या

लखनऊ । मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में नाबालिग बेटे ने लाठी से पीटकर अपने पिता की हत्या कर दी। वह जमीन बेचना चाहता था। पिता इसके लिए तैयार नहीं थे। आज सुबह फिर से उसी बात पर पिता-पुत्र में विवाद हो गया। बेटे ने घर से लाठी निकालकर पिता के सिर पर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना खुजेहटा गांव की है। मृतक की पहचान रामकरण (45) के रूप में हुई है। उनके दो बेटे हैं, दोनों अभी नाबालिग हैं। 17 वर्षीय बड़ा बेटा एक जमीन बेचने की जिद पर कई दिनों से अड़ा था। वह इसके लिए रोज पिता रामकरण से झगड़ा करता था।

मकान-मालिक के घर मिली 14 साल की मेड की लाश

लखनऊ। लखनऊ में 14 साल की मेड की लाश रिटायर्ड अफसर के घर में मिली। परिजनों ने उनके बेटे पर रेप की कोशिश और हत्या का आरोप लगाया। लड़की के शव को चौराहे पर रखकर करीब 3 घंटे तक सड़क जाम रखी। हंगामे के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। लड़की मूल रूप से सीतापुर की रहने वाली थी।

गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा में शामिल होगी अखण्ड आर्यावर्त महासभा

तमसा संकेत, संवाददाता

■ स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के सानिध्य में 11 मार्च को काशीराम उपवन पहुंचेगी यात्रा

लखनऊ। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के सानिध्य में आगामी 11 मार्च को अपराह्न एक बजे काशी राम स्मृति सांस्कृतिक उपवन, पासी किला चौराहा, लखनऊ पहुंच रही गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा में अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल ने आज यहां कुर्सी रोड स्थित संगठन के मुख्यालय में प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद बताया कि गोमाता को राज्यमाता घोषित कर प्रदेश में पूर्णतया गो हत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर निकाली जा रही स्वामी अविमुक्ते-श्वरानंद सरस्वती के नेतृत्व में इस यात्रा की शुरूआत करने के लिये काशी के केदारघाट पर गंगा मां की विधिवत आरती के साथ शुक्रवार को की गयी और आज सुबह श्रीचिंतामणि गणेश और संकटमोचन मंदिर में पूजा करने के बाद यात्रा लखनऊ के लिए शुरू हो गयी। शंकराचार्य चार दिनों में छह जिलों में दर्जनभर से अधिक स्थानों पर गो रक्षा के लिए सभाएं करेंगे। वह जौनपुर, सुल्तानपुर, रायबरेली, उन्नाव, लखीमपुर खीरी होकर 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे।

दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध: मंत्री नरेन्द्र कश्यप

सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पहुंचे

दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही योगी सरकार

तमसा संकेत, संवाददाता

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि शादी अनुदान योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 232 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक 94,040 लाभार्थियों को 188.08 करोड़ रुपये की धनराशि उनके बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी जा चुकी है।

लखनऊ । योगी सरकार दिव्यांगजन एवं पिछड़ा वर्ग के सर्वांगीण सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध और परिणामोन्मुखी ढंग से कार्य कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को सचिवालय स्थित नवीन भवन में प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, वित्तीय उपलब्धियां तथा लाभार्थियों तक पहुंच की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया।

बैठक में मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचे। इस प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि ये दोनों विश्वविद्यालय दिव्यांगजन के लिए उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं और इन्हें और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडल स्तर पर कार्यशालाएं, जागरूकता कार्यक्रम और प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर इन विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक सुविधाओं, पाठ्यक्रमों और अवसरों की जानकारी दिव्यांग छात्रों तक पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा से जुड़ सकें। इसके साथ ही उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों में रिक्त शिक्षकीय पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने तथा निर्माणाधीन परियो-जनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री कश्यप ने कहा कि योजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना तभी तय होता है जब उसका सीधा लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे। उन्होंने जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने तथा अपेक्षित प्रगति न करने वाले जनपदों में जिलाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य निधि का उपयोग पूरी संवेदनशी-लता के साथ दिव्यांगजनों के हित में किया जाए।

राज्य विश्वविद्यालय निर्धारित शासनादेश के अनुसार ही लें परीक्षा शुल्क : योगेन्द्र उपाध्याय

शासनादेश के विपरीत फीस वसूली पर सख्त निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा को सुलभ, सस्ता, पारदर्शी व छात्रहितैषी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फीस में अनावश्यक वृद्धि से गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, इसलिए विश्वविद्यालयों को छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लेने चाहिए।

लखनऊ । प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सोमवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा शासनादेश के विपरीत फीस लिए जाने के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में विश्वविद्यालयों की शुल्क संरचना, परीक्षा शुल्क और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य विश्वविद्यालयों को निर्धारित शासनादेश के अनुसार ही परीक्षा शुल्क लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक परीक्षा शुल्क लिया जाता है तो उसकी ऑडिट कराई जा सकती है और आवश्यकतानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

उच्च शिक्षा मंत्री ने राज्य विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया कि वे शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करें और वित्तीय अनुशासन बनाए रखें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने संसाधनों को मजबूत करने, नए पाठ्यक्रम शुरू करने और वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाने की दिशा में भी प्रयास करने चाहिए, ताकि संस्थान आत्मनिर्भर बन सकें।

बैठक में अधिकारियों और विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति, परीक्षा संचालन से जुड़ी चुनौतियों और संभावित समाधानों पर भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि योगी सरकार विश्वविद्यालयों की वास्तविक आवश्यकताओं पर विचार करते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार है, लेकिन शासनादेशों का पालन सभी संस्थानों के लिए अनिवार्य है।

बैठक में एमएलसी उमेश द्विवेदी, अवनीश कुमार सिंह, प्रमुख सचिव एम. पी. अग्रवाल, सचिव अमृत त्रिपाठी, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. जय प्रकाश सैनी सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

1500 रुपये प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क

शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य विश्वविद्यालयों में परीक्षा शुल्क की समानता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके तहत बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीसीए, बीएड, बीपीएड, बीजेएमसी, बीएफए और बीवोक जैसे पाठ्यक्रमों के लिए 800 रुपये, एलएलबी, बीएससी एग्रीकल्चर (ऑनर्स), बीटेक, बायोटेक जैसे पाठ्यक्रमों के लिए 1000 रुपये तथा बीडीएस, नर्सिंग, बीएएमएस और बीयूएमएस जैसे पाठ्यक्रमों के लिए 1500 रुपये प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया है।

महंगाई की आग में झोंका जा रहा है देश : सुनील सिंह

गैस के दामों में भारी बढ़ोतरी जनता के साथ अन्याय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह ने घरेलू गैस और पाइप्ड गैस के दामों में हाल ही में की गई भारी बढ़ोतरी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आम जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है, और अब गैस के दामों में 60 से 120 रुपये तक की बढ़ोतरी करके लोगों की कमर तोड़ने का काम किया गया है। लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री Narendra Modi की सरकार ने जानबूझकर देश को महंगाई की आग में धकेल दिया है। एक तरफ सरकार "आपदा को अवसर" बताने की बात करती है और दूसरी तरफ इसी माहौल का फायदा उठाकर बड़ी कंपनियों को मुनाफा कमाने का खुला मौका दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उद्योगपति Gautam Adani की कंपनी Adani Total Gas Limited (ATGL) ने गैस के दाम लगभग तीन गुना तक बढ़ा दिए हैं, जिससे आम उपभोक्ता, छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। लोकदल ने कहा कि जब देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रही है, तब सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह लोगों को राहत दे। लेकिन इसके उलट सरकार बड़े कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने वाली नीतियां बना रही है।

आरोप : बढ़ती महंगाई और अन्य राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में बहस कराने की मांग

विदेश नीति पर सरकार घिरी, संसद में चर्चा की मांग: अखिलेश यादव

■ युद्धग्रस्त देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी

तमसा संकेत,संवाददाता

■ अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र में संसद ही वह मंच है जहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गंभीरता से विचार-विमर्श होना चाहिए। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह इन महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा से बचने के बजाय संसद में पारदर्शिता के साथ अपनी नीति और दृष्टिकोण देश के सामने रखे।

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने केंद्र की भाजपा सरकार पर देश की विदेश नीति को कमजोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के दौर में देश की विदेश नीति ऐसी स्थिति में पहुंच गई है जहां बाहरी ताकतें इसके फैसलों को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार हो रहा है जब भारत की विदेश नीति पर विदेशी देशों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

सोमवार को संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि देश इस समय कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर संसद में खुलकर चर्चा कराने से बच रही है। उन्होंने कहा कि देश के सामने महंगाई, अंतर-राष्ट्रीय तनाव और युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा जैसे अहम मुद्दे हैं, जिन पर संसद में विस्तृत बहस होनी चाहिए।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने भी आम लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। रोजमर्रा की जरूरतों की चीजों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों पर सरकार को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए और संसद में खुली चर्चा करानी चाहिए, ताकि देश के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान निकाला जा सके।

विदेशी देश यह तय कर रहे हैं कि भारत कितने दिनों तक तेल खरीदेगा

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार आत्मनिर्भर भारत की बात तो करती है, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि विदेशी देश यह तय कर रहे हैं कि भारत कितने दिनों तक तेल खरीदेगा और किस देश से खरीदेगा। उनके मुताबिक, इस तरह की परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि भारत की विदेश नीति पर बाहरी दबाव बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे युद्ध और तनाव की वजह से कई देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं। इनमें नौकरी-पेशा लोग, कामकाजी नागरिक, पर्यटक और पत्रकार भी शामिल हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इन सभी भारतीयों की सुरक्षित और शीघ्र वापसी सुनिश्चित करे।

लखनऊ एचसी ने केंद्र सरकार से नागरिकता का ब्योरा मांगा

'राहुल गांधी भारतीय नागरिक हैं या नहीं?'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में केंद्र सरकार से ब्योरा मांगा है। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधिवक्ता को इस संबंध में जानकारी पेश करने के निर्देश दिए।

न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने केंद्र सरकार को 2019 में राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर की गई शिकायत और उस पर हुई कार्यवाही का विवरण अगली सुनवाई पर प्रस्तुत करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को निर्धारित की गई है।

यह याचिका कर्नाटक के एस. विग्नेश शिशिर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में दायर की है। याचिकाकर्ता ने इसके जरिये एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा दिए गए एक आदेश को चुनौती दी है। याचिका में राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता, शासकीय गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत कई आरोप लगाए गए हैं। इस मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के स्थायी अधिवक्ता को भी तलब किया है। अदालत ने ईडी से राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता से जुड़े मामले में दर्ज प्रकरण और जांच से संबंधित विवरण प्रस्तुत करने को कहा है।

याचिकाकर्ता की ओर से पहले हो चुकी है बहस

इस मामले में भाजपा सदस्य विग्नेश शिशिर ने पिछली सुनवाई में करीब 3 घंटे तक विस्तृत बहस की थी। इसमें आधा घंटे लंच से पहले और लगभग ढाई घंटे लंच के बाद बहस हुई। याचिका में एमपी-एमएलए कोर्ट ने 28 जनवरी 2026 को पारित उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कोतवाली थाना, रायबरेली को राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग खारिज कर दी गई थी।

C M Y K

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-2025 में सफलता पर कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ सम्मान समारोह

अम्बेडकरनगर के दो युवाओं ने बढ़ाया जनपद का गौरव

प्रशासनिक अधिकारियों ने भी दिए मार्गदर्शन

आईआईटी बीएचयू के गोल्ड मेडलिस्ट हैं पुरु दुबे

सफलता

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा–2025 में जनपद के दो युवाओं की सफलता पर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने सफल अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को माल्यार्पण, अंगवस्त्र, मोमेंटो तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में UPSC परीक्षा में चयनित पुरू दुबे (रैंक–86) और विपिन देव यादव (रैंक–316, हिंदी

माध्यम) को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। दोनों अभ्यर्थियों की सफलता को जनपद के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी ने युवाओं से कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास निरंतर किए जाएं, तो किसी भी परीक्षा में सफलता संभव है। उन्होंने शिक्षा और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के क्षेत्र में जिले के छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सम्मान समारोह में पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रंजीत सिंह तथा ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उप जिलाधिकारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह ने भी अपने विचार रखे। अधिकारियों ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवाओं में युवाओं की भागीदारी समाज और शासन व्यवस्था को मजबूत बनाती है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को धैर्य, मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी।

सफलता की कहानी साझा कर युवाओं को किया प्रेरित

सम्मान समारोह के दौरान दोनों चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी तैयारी, संघर्ष और अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि UPSC जैसी कठिन परीक्षा में सफलता के लिए निरंतर अध्ययन, अनुशासन और स्पष्ट लक्ष्य आवश्यक है।

अभ्यर्थियों ने कहा कि तैयारी के दौरान धैर्य और सकारात्मक सोच बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। लगातार प्रयास और समय के सही उपयोग से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों और युवाओं ने भी परीक्षा की तैयारी, रणनीति और अध्ययन पद्धति से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका चयनित अभ्यर्थियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने विस्तार से जवाब दिया।

पूरे जनपद के लिए गर्व का क्षण : जिलाधिकारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कहा कि यह उपलब्धि केवल अभ्यर्थियों और उनके परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे जनपद के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की सफलता से जिले के अन्य प्रतिभाशाली छात्र भी प्रेरित होंगे और उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगे आएंगे।

मानदेय और ईपीएफ भुगतान की मांग को लेकर मनरेगा कर्मचारियों का प्रदर्शन

जलालपुर ब्लॉक में ज्ञापन सौंपकर दी आंदोलन की चेतावनी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के जलालपुर खंड विकास कार्यालय में सोमवार को मनरेगा कर्मचारियों ने मानदेय भुगतान और ईपीएफ जमा न होने के विरोध में प्रदर्शन किया। आक्रोशित कर्मचारियों ने खंड विकास अधिकारी दिनेश राम को श्रम उपायुक्त (मनरेगा) के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की। कर्मचारियों ने बताया कि मनरेगा से जुड़े कर्मचारी और अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद जुलाई माह से अब तक उनका मानदेय भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही कर्मचारियों के ईपीएफ की राशि भी जमा नहीं की गई है। मनरेगा संघ के जिला महामंत्री मनोज ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर कई बार शासन और संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर भुगतान की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि लगातार लंबित भुगतान के कारण कर्मचारियों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि समय पर मानदेय न मिलने से दैनिक खर्च और पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने मांग की कि जल्द से जल्द लंबित मानदेय और ईपीएफ की राशि का भुगतान कराया जाए।

मनरेगा कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि मार्च माह के अंत तक मानदेय और ईपीएफ जमा नहीं किया गया तो अप्रैल से सभी कर्मचारी अनिश्चितकालीन कलम बंद हड़ताल पर चले जाएंगे।

प्रदर्शन के दौरान ग्राम रोजगार सेवक राजमोहन, दिनेश कुमार, जय किशन चौधरी, पूजा पटेल, सीमा भारती, मंसाराम, परशुराम, शशिकला, अखिलेश यादव, रमाकांत शर्मा, दिनेश प्रताप और तकनीकी सहायक अशोक दुबे सहित बड़ी संख्या में मनरेगा कर्मचारी मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज़

नाबालिग की किडनैपिंग का आरोपी अरेस्ट

प्रयागराज । प्रयागराज के नवाबगंज में नाबालिग लड़की के दिनदहाड़े किडनैपिंग के आरोपी को पुलिस ने रविवार (8 मार्च) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से लड़की को भी छुड़ा लिया है। घटना में शामिल दो युवक अभी भी फरार हैं। उनकी तलाश जारी है। दरअसल, दूसरे समुदाय का युवक 5 मार्च को एक नाबालिग को उसके घर के पास अपने दो साथियों की मदद से बाइक पर खींच ले गया था।

धर्म छिपाकर वाराणसी में युवती से बनाए संबंध, एफआईआर

वाराणसी। वाराणसी में धर्म छिपाकर युवती से युवक ने संबंध बनाए। जब युवती ने पीछा छुड़ाना चाहा तो जान से मारने की धमकी दी। इस पूरे मामले में युवती ने FIR दर्ज कराई है। युवती का कहना है कि युवक उसकी कालोनी के गेट पर बिरयानी की दुकान चलाता है और उससे शान सिंह बनकर मिला था।

बाद उसके असली नाम सऊद के बारे में पता चला तो उससे दूरी बना ली। लेकिन वह लगातार मुझे प्रताड़ित कर रहा था और एक दिन मेरे घर आकर जान से मारने की धमकी भी दी है।

इमाम अली की याद में दालमंडी से उठा जुलूस

वाराणसी । शिया मुसलामानों के पहले इमाम और पैगंबर साहब के दामाद इमाम अली की शहादत की याद में दालमंडी से सोमवार की सुबह नमाज के बाद जुलूस उठाया गया। जुलूस उठने से पहले मौलाना ने इमाम अली के तलवार लगाने के उस वाकये को बयान किया जो इस्लाम में पहली आतंकी घटना थी।

घर में घुसकर महिला से लूट, करीब दो लाख के जेवर ले गए बदमाश

डीजे की तेज आवाज में दब गई महिला की चीख

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जिले के बसखारी थाना क्षेत्र के बुढ़नापुर गांव में रविवार रात घर में घुसकर बदमाशों ने एक महिला से करीब दो लाख रुपए के जेवर लूट लिए। घटना के समय महिला घर में अकेली थीं। बदमाश चाकू दिखाकर उन्हें धमकाते हुए जेवर लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार बुढ़नापुर गांव निवासी कुसुम लता रविवार रात करीब नौ बजे घर पर अकेली थीं। उसी दौरान वह पशुओं को चारा डालने के लिए घर से बाहर निकलीं। इसी बीच बदमाश घर में घुस गए। जब महिला को घर में किसी के होने का आभास हुआ तो उन्होंने शोर मचाने की कोशिश की।

बताया गया कि घर के पास ही एक शादी समारोह चल रहा था, जहां डीजे की तेज आवाज बज रही थी। शोर-शराबे के कारण महिला की आवाज आसपास के लोगों तक

नहीं पहुंच सकी। इसी दौरान बदमाशों ने महिला को चाकू दिखाकर डराया और घर में रखे करीब दो लाख रुपए के जेवर लूट लिए। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बसखारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पीड़ित महिला से घटना के संबंध में जानकारी ली और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। घटना में शामिल आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के क्षेत्रों में भी संदिग्ध लोगों की तलाश की जा रही है।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खेत में गिरी, छह बराती घायल

राष्ट्रीय राजमार्ग लुंबिनी-दुद्धी पर सड़क की खामी से हुआ हादसा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । राष्ट्रीय राजमार्ग लुंबिनी-दुद्धी पर देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क से उछलते हुए करीब 100 मीटर दूर खेत में जा गिरी। हादसे में कार में सवार छह बराती घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार एनटीपीसी क्षेत्र के मीरानपुर सदर अली निवासी संजय, अंश पटेल, विशाल, अमित तथा रामपुर कला निवासी रवि और हूंसेपुर निवासी सोनेलाल एक कार से बरियावन बाजार में आयोजित विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी लोग देर रात करीब साढ़े 12

बजे वापस अपने घर लौट रहे थे।

बताया गया कि जब उनकी कार राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामपुर कला गांव के पास पहुंची, तभी सड़क में मौजूद खामियों के कारण वाहन अचानक उछल गया। तेज रफ्तार होने के कारण चालक कार पर नियंत्रण नहीं रख सका। अनियंत्रित कार सड़क से उछलकर मौर्या मैरिज लॉन के पूर्व दिशा में करीब 100 मीटर दूर खेत में जा गिरी और पलट गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से कार में फंसे सभी घायलों को बाहर निकाला गया और तत्काल मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर पहुंचाया गया।

डॉक्टरों के अनुसार सभी घायलों का इलाज जारी है। हादसे में किसी की स्थिति गंभीर नहीं बताई जा रही है, हालांकि सभी को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सड़क की खामियों के कारण वाहन के उछलने से हादसा होने की बात सामने आई है। घटना के बाद मौके पर काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। निरीक्षक दीपक सिंह रघुवंशी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। हादसे के कारणों की विस्तृत जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पहितीपुर रोड शहजादपुर में अवैध गैस रिफिलिंग का कारोबार जारी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । शहजादपुर क्षेत्र में पहितीपुर रोड पर घरेलू एलपीजी गैस की अवैध रिफिलिंग का कारोबार खुलेआम संचालित होने की सूचना सामने आई है। स्थानीय स्तर पर चल रहे इस अवैध कारोबार को लेकर सुरक्षा और आपूर्ति व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों और अन्य कंटेनरों में गैस भरने का काम किया जा रहा है। यह गतिविधि बिना किसी सुरक्षा मानक और लाइसेंस के संचालित बताई जा रही है। ऐसे में आसपास के इलाके में दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

इधर, जिले के कई गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कई उपभोक्ता समय पर गैस सिलेंडर न मिलने की शिकायत कर रहे हैं। इस बीच घरेलू गैस की अवैध रिफिलिंग का मामला सामने आने से आपूर्ति व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

■ घरेलू सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में भरी जा रही गैस, सुरक्षा पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहितीपुर रोड क्षेत्र में यह गतिविधि लंबे समय से चल रही है। घरेलू सिलेंडरों का उपयोग व्यावसायिक तरीके से किया जा रहा है, जिससे नियमों का उल्लंघन हो रहा है।

गैस सुरक्षा मानकों के अनुसार घरेलू सिलेंडरों से इस प्रकार गैस की रिफिलिंग पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद खुलेआम यह काम किए जाने से प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल उठ रहे हैं।

सिंदूरदान के बाद दुल्हन ने तोड़ी शादी

दूल्हे के दिव्यांग होने की जानकारी मिलने पर बढ़ा विवाद, मामला पहुंचा जलालपुर कोतवाली

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रविवार रात विवाह समारोह के दौरान उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब सिंदूरदान की रस्म पूरी होने के बाद दुल्हन को दूल्हे के दिव्यांग होने की जानकारी मिली। जानकारी सामने आने के बाद दुल्हन ने शादी करने से इनकार कर दिया। विवाद बढ़ने पर मामला जलालपुर कोतवाली तक पहुंच गया, जहां सोमवार को दोनों पक्षों के बीच समझौता कराकर मामला शांत कराया गया।

जानकारी के अनुसार, एक परिवार ने अपनी बेटी का विवाह जौनपुर जनपद के शाहगंज थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद निवासी सचिन पुत्र शब्द के साथ तय किया था। तय कार्यक्रम के अनुसार रविवार शाम दूल्हा बारात लेकर दुल्हन के

घर पहुंचा।

बारात का स्वागत करने के बाद द्वारपूजा सहित विवाह की अन्य पारंपरिक रस्में शुरू हुईं। देर रात सिंदूरदान की रस्म भी संपन्न हो गई थी और शादी की आगे की रस्में चल रही थीं। लंबी बातचीत के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया। समझौते के बाद दोनों पक्ष अपने-अपने घर लौट गए और मामला शांत हो गया। कोतवाल अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से समझौता हो गया है। किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत नहीं दी गई, इसलिए मामले को समाप्त कर दिया गया।

दिव्यांग होने की जानकारी मिलने पर किया इनकार

बताया जाता है कि इसी दौरान दुल्हन को पता चला कि दूल्हा दिव्यांग है। आरोप है कि यह जानकारी पहले दुल्हन पक्ष को नहीं दी गई थी।

जानकारी सामने आने के बाद दुल्हन ने नाराजगी जताई और शादी जारी रखने से साफ इनकार कर दिया। दुल्हन के इस निर्णय के बाद मौके पर मौजूद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

विवाद बढ़ने पर मामला पहुंचा कोतवाली

स्थिति बिगड़ने पर दोनों पक्षों के लोग जलालपुर कोतवाली पहुंच गए। सोमवार को कोतवाली परिसर में दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक पंचायत और बातचीत का दौर चला।

इस दौरान शादी में हुए लेनदेन और दिए गए जेवरात को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए। विवाद को सुलझाने के लिए स्थानीय लोगों और पुलिस की मौजूदगी में कई घंटे तक चर्चा हुई।

मौत का कारण झोलाछाप डॉक्टर का बना इंजेक्शन

मुकदमा दर्ज - पुलिस ने बैठाया भी, फिर छोड़ दिया

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जलालपुर थाना क्षेत्र में कथित झोलाछाप डॉक्टर द्वारा लगाए गए इंजेक्शन के बाद युवक की मौत का मामला अब प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। घटना को करीब नौ माह, मुकदमा दर्ज हुए सात माह और युवक की मौत को लगभग दो माह बीत जाने के बावजूद आरोपी डॉक्टर के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इससे पीड़ित परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है।

मामला जलालपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गोलपुर का है। पीड़िता किरन पुत्री स्वर्गीय पूर्णमासी के

अनुसार 1 मई 2025 को उसके भाई भारत को अचानक पेट में तेज दर्द हुआ, जिसके बाद परिजन उसे पास के एक निजी क्लिनिक पर ले गए। आरोप है कि वहां कथित झोलाछाप डॉक्टर सुरेन्द्र कुमार ने इलाज के नाम पर कई इंजेक्शन लगाए और दवाइयां दीं।

परिजनों के अनुसार इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद युवक के शरीर में तेज जलन, सूजन और झनझनाहट शुरू हो गई तथा कुछ ही देर में उसके दोनों पैर सुन्न पड़ गए। युवक की हालत लगातार बिगड़ती चली गई। घबराए परिजनों ने उसे कई अस्पतालों में भर्ती कराकर इलाज कराया, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। लंबे इलाज के बाद आखिरकार 7 जनवरी 2026 को युवक की मौत हो गई।

बताया जाता है कि इस मामले में परिजनों की तहरीर पर जलालपुर थाने में 18 सितम्बर 2025 को मुकदमा दर्ज किया गया था। लेकिन पीड़ित परिवार का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी आरोपी डॉक्टर के खिलाफ अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

अकबरपुर में गैस एजेंसी पर लगी लंबी लाइन, बुकिंग व्यवस्था को लेकर बढ़ा भ्रम

गैस सिलेंडर को लेकर उपभोक्ताओं में अफरातफरी

परेशानी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 60 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी और नई बुकिंग व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। सोमवार को अकबरपुर स्थित बाबा इंडियन गैस सर्विस पर सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं की लंबी लाइन देखी गई। कई उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार करना पड़ा, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। उपभोक्ताओं का कहना है कि बुकिंग की निर्धारित समय सीमा को लेकर स्पष्ट

जानकारी नहीं मिल पा रही है। सरकार की ओर से जहां बुकिंग के लिए 21 दिन का समय बताया जा रहा है, वहीं एजेंसी स्तर पर 25 दिन का समय बताया जा रहा है। इसी कारण बड़ी संख्या में उपभोक्ता गैस एजेंसी पहुंच रहे हैं। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि पहले गैस एजेंसी की ओर से दो मोबाइल नंबर बुकिंग के लिए जारी किए गए थे। इन नंबरों पर कॉल कर उपभोक्ता आसानी से गैस सिलेंडर की बुकिंग करा लेते थे और बाद में एजेंसी द्वारा घर-घर सिलेंडर की डिलीवरी कर दी जाती थी।

हालांकि वर्तमान में इन दोनों नंबरों पर संपर्क नहीं हो पा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बार-बार कॉल करने के बावजूद नंबर नॉट रीचेबल बताया जा रहा है। इससे बुकिंग प्रक्रिया प्रभावित हो रही है और उपभोक्ताओं को सिलेंडर लेने के लिए सीधे एजेंसी पहुंचना पड़ रहा है।

मामले को लेकर जिला पूर्ति अधिकारी एसके पांडे ने कहा कि जनपद में कहीं भी एलपीजी गैस की कमी नहीं है। उपभोक्ताओं को किसी भी तरह के भ्रम में पड़ने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने बताया कि गैस खत्म होने की आशंका के कारण कई उपभोक्ता एक साथ एजेंसी पहुंच रहे हैं, जिससे लाइन की स्थिति बन रही है।

बुकिंग के बाद भी पर्ची के लिए लाइन

कुछ उपभोक्ताओं ने बताया कि कई मामलों में बुकिंग होने के बाद भी गैस एजेंसी पर पर्ची लेने के लिए लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। इससे सिलेंडर लेने की प्रक्रिया और अधिक कठिन हो गई है। 21 से 25 दिन का समय बीत जाने के बाद भी कई उपभोक्ताओं की बुकिंग नहीं हो पा रही है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग एजेंसी पहुंचकर जानकारी लेने और सिलेंडर प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को एजेंसी परिसर में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं की भीड़ देखी गई।

> “ जिला पूर्ति अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी स्तर पर जमाखोरी या कालाबाजारी की शिकायत मिलती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

न्योरी गांव में सर्वधर्म सामूहिक इफ्तार, बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी

अंबेडकरनगर । पवित्र माह रमजान के दौरान सामूहिक इफ्तार कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। रविवार शाम न्योरी गांव में आयोजित सर्वधर्म सामूहिक इफ्तार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम गांव निवासी मुदस्सिर खालिद फारूकी के आवास परिसर में आयोजित किया गया। इफ्तार कार्यक्रम में रोजेदारों के साथ विभिन्न धर्म और समुदायों के लोग एकत्र हुए। सभी ने एक साथ बैठकर इफ्तार किया। कार्यक्रम से पहले देश में अमन-चैन, खुशहाली और सामाजिक सौहार्द के लिए दुआ की गई। कार्यक्रम में मौजूद समाजसेवी धर्मवीर सिंह बग्गा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग समुदायों के लोगों का एक साथ बैठकर इफ्तार करना सामाजिक एकता का प्रतीक है। ब्लॉक प्रमुख बलिराम गौतम ने कहा कि सामूहिक इफ्तार जैसे कार्यक्रम सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं।

पुलिस कार्यालय में एसपी ने की जनसुनवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं।

जनसुनवाई में जमीन विवाद, मारपीट, पारिवारिक विवाद और अन्य मामलों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए। पुलिस अधीक्षक ने एक-एक कर सभी मामलों को सुना और संबंधित अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों से कहा कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रकरण की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए और पीड़ित पक्ष

■ समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।जनसुनवाई के दौरान कई मामलों को तत्काल संबंधित थानों और शाखाओं को भेजते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरती जाए और प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए। पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समाधान सुनिश्चित करना है।

सम्पादकीय

राष्ट्रपति का अनादर, पश्चिम बंगाल सरकार पर उठे सवाल

किसी की भी अनदेखी-उपेक्षा उसका अनादर ही होता है। पश्चिम बंगाल के दौरे पर गईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ ऐसा ही हुआ। चूंकि उन्होंने इसे लेकर अपनी आपत्ति और पीड़ा प्रकट की, इसलिए यह सहज ही समझा जा सकता है कि वास्तव में उनके लिए निर्धारित प्रोटोकाल का उल्लंघन किया गया। यह इससे सिद्ध भी होता है कि उनके कार्यक्रम स्थल में बार-बार बदलाव किया गया और अंततः उसका आयोजन ऐसी जगह किया गया, जहां लोगों को पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। इससे भी खराब बात यह रही कि बदले हुए आयोजन स्थल पर जा रहे लोगों को इस आधार पर प्रवेश करने से रोका गया कि उनके पास आवश्यक निमंत्रण पत्र नहीं हैं, लेकिन वे तो वितरित ही नहीं किए गए थे। स्पष्ट है कि बंगाल सरकार में कोई यह चाहता था कि राष्ट्रपति का यह कार्यक्रम सफल न होने पाए। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि आदिवासियों के जिस कार्यक्रम में आदिवासी समाज की राष्ट्रपति को सम्मिलित होना था, उसमें बाधाएं खड़ी की गईं। उनकी किस हद तक अनदेखी की गई, इसका एक प्रमाण यह भी है कि आयोजन स्थल पर उनके लिए आवश्यक सुविधाओं जैसे कि शौचालय आदि की व्यवस्था तक नहीं की गई। राष्ट्रपति जिस तरह पूर्व निर्धारित आयोजन स्थल पर गईं, उससे उन्होंने बंगाल प्रशासन की पोल ही खोली, क्योंकि उन्होंने पाया कि वहां पर कहीं अधिक लोगों के एकत्रित होने के लिए पर्याप्त स्थान था। अच्छा होता कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनका प्रशासन यह समझता कि राष्ट्रपति के साथ उचित व्यवहार नहीं हुआ, लेकिन वे राष्ट्रपति को ही कठघरे में खड़ा करने में लग गईं। उन्होंने उन पर यह आरोप भी जड़ दिया कि वे भाजपा के इशारे पर राजनीति कर रही हैं। आखिर आदिवासियों के सम्मेलन में आदिवासी समाज की ही राष्ट्रपति का जाना दलगत राजनीति का विषय कैसे हो गया? यह समझ आता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आयोग के खिलाफ धरने पर बैठे होने के कारण राष्ट्रपति की अगवानी के लिए नहीं पहुंच सकीं, लेकिन वे अपनी ओर से किसी मंत्री को तो इस कार्य के लिए नियुक्त कर ही सकती थीं। प्रोटोकाल भी यही कहता है और इसके कई उदाहरण हैं कि जब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति अथवा प्रधानमंत्री के आगमन पर मुख्यमंत्री उपस्थित नहीं हो पाते तो वे अपने किसी मंत्री को उनके स्वागत के लिए भेजते हैं। कोई नहीं जानता कि ममता बनर्जी को अपनी जगह किसी मंत्री को राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए भेजने में क्या कठिनाई थी? जो भी हुआ, अच्छा नहीं हुआ। राष्ट्रपति के किसी दौरे को दलगत राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए और वे जिस आदर एवं सम्मान की अधिकारी हैं, वह उन्हें प्रदान किया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान ! नहीं सहेगा हिंदुस्तान

> मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री हर चुनाव से पहले बंगाल को निशाना बनाते हैं और राज्य का अपमान करते हैं।उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम में कोलकाता के मेयर मौजूद थे, जबकि वह खुद लोगों के अधिकारों को लेकर धरने में शामिल थीं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र सरकार के बीच अक्सर टकराव देखने को मिलता है, जिसे लेकर भाजपा उन पर केंद्र का अपमान करने के आरोप लगाती रही है। हाल ही में, सिलीगुड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे के दौरान हुए कथित कुप्रबंधन और उनसे न मिलने के आरोपों को लेकर भाजपा ने ममता पर संविधान के अपमान का आरोप लगाया, जिसे ममता ने भाजपा की राजनीतिक साजिश बताया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान उनके स्वागत और प्रोटोकॉल को लेकर नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है। चर्चा इस बात को लेकर है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी न तो स्वयं राष्ट्रपति के स्वागत के लिए पहुंचीं और न ही अपनी ओर से किसी मंत्री को नामित किया। प्रोटोकॉल के जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री का खुद मौजूद रहना अनिवार्य नहीं होता लेकिन परंपरा और शिष्टाचार के तहत उनकी अनुपस्थिति में किसी मंत्री को स्वागत के लिए भेजा जाता है। ऐसा पहली बार नहीं है कि ममता ने केंद्र सरकार व उसके मंत्रियों का अपमान किया हो । इसके पहले कही ही कई उदहारण है जैसे पीएम की बैठकों में न जानाः चक्रवात के दौरान या कोविड समीक्षा बैठकों में ममता बनर्जी द्वारा समय पर न पहुँचने या बैठक बीच में छोड़कर जाने जैसी घटनाओं को केंद्र सरकार ने 'सहकारी संघवाद' के खिलाफ और अपमानजनक माना है। सीबीआई और केंद्रीय एजेंसियों को रोकनाः राज्य में सीबीआई की कार्यवाही को रोकने या केंद्रीय जांच एजेंसियों को राज्य में आने से पहले अनुमति अनिवार्य करने के फैसलों को भी केंद्र के प्रति अविश्वास और असंवैधानिक रवैया माना गया। राज्यपाल के साथ टकरावः पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ के साथ उनका निरंतर टकराव भी केंद्र-राज्य संबंधों में खटास और अपमान के तौर पर देखा गया। गोरतलब है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के दौरे से जुड़ी व्यवस्थाएं गृह मंत्रालय की ब्लू बुक के तहत तय होती हैं। इसी दस्तावेज में वीवीआईपी दौरों के दौरान सुरक्षा, प्रोटोकॉल और स्वागत की पूरी व्यवस्था का उल्लेख होता है।इस दस्तावेज में इन वीवीआईपी के दौरे के दौरान सुरक्षा, प्रोटोकॉल और स्वागत से जुड़े सभी दिशा-निर्देश तय होते हैं। इसकी क्रमांकित प्रतियां संबंधित अधिकारियों को दी जाती हैं और जिला स्तर पर यह जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस प्रमुख के पास रहती है। क्या होता है राष्ट्रपति का प्रोटोकॉल प्रोटोकॉल के अनुसार आम तौर पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री इन गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हैं। यदि मुख्यमंत्री उपलब्ध न हों, तो वे अपने किसी मंत्री को इसके लिए नामित करते हैं।प्रोटोकॉल अधिकारियों के अनुसार, इन दौरों से पहले यह सूची तैयार कर ली जाती है कि एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन या राज्य की सीमा पर कौन-कौन गणमान्य व्यक्ति स्वागत के लिए मौजूद रहेंगे। यह सूची राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति या प्रधानमंत्री के कार्यालय को भेजी जाती है और उनकी मंजूरी के बाद ही अंतिम व्यवस्था तय होती है। ममता का न आना यह पहली बार नहीं है । ऐसे कई मौके रहे हैं जब मुख्यमंत्री किसी कारण से स्वागत के लिए मौजूद नहीं हो पाए, लेकिन उन्होंने अपने किसी मंत्री को नामित किया। उदाहरण के तौर पर, सितंबर 2025 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मथुरा दौरे के दौरान न तो राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मौजूद थीं और न ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। उस समय मुख्यमंत्री योगी ने अपने मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी को राष्ट्रपति के स्वागत के लिए भेजा था।इसी तरह, उत्तर प्रदेश में 2014 से 2017 के बीच जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर आते थे और तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उपलब्ध नहीं होते थ तो वे अपने किसी मंत्री को स्वागत के लिए नामित कर देते थे। यही व्यवस्था उस समय के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के दौरों के दौरान भी अपनाई गई थी। पश्चिम बंगाल में अब तक ऐसा उदाहरण कम ही देखने को मिला है जब प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति का स्वागत न तो मुख्यमंत्री ने किया हो और न ही किसी मंत्री ने। मई 2021 में चक्रवात यास के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य दौरे के दौरान भले ही ममता बनर्जी ने उनकी अध्यक्षता वाली समीक्षा बैठक में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन वह एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने जरूर पहुंची थीं। प्रोटोकॉल से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि ब्लू बुक के नियम काफी सख्त होते हैं और इनमें मामूली विचलन भी कई स्तरों पर सवाल खड़े कर सकता है। ऐसे में राष्ट्रपति के स्वागत को लेकर बंगाल में पैदा हुआ यह विवाद राजनीतिक और प्रोटोकॉल दोनों ही स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है। क्या है पूरा विवाद उसे भी जानना जरुरी है । बत्ताया जाता है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आदिवासी समुदाय के वार्षिक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, जो मूल रूप से बिधाननगर में आयोजित होने वाला था। हालांकि, सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी अन्य कारणों का हवाला देते हुए अधिकारियों ने बिधाननगर की जगह बागडोगरा हवाई अड्डे के पास गोशैपुर में कार्यक्रम आयोजित किया।राष्ट्रपति शनिवार दोपहर जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं, तो वहां केवल कुछ ही लोग उपस्थित थे। सिलीगुड़ी के महापौर गौतम देब हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए मौजूद थे। इस पर राष्ट्रपति ने कहा कि ममता बनर्जी मेरी छोटी बहन की तरह हैं। मैं भी बंगाल की बेटी हूं।

अशोक भाटिया

यह स्पष्ट करना ...

गजेंद्र सिंह

पश्चिमी शक्ति-संरचनाओं के यौन शोषण और मानव तस्करी का खेल

सोशल मीडिया पर हाल के दिनों में वायरल हो रहे 'एप्सटीन फ़ाइल्स' के दृश्य—डरे हुए नाबालिगों के चेहरे, वर्षों पुराने ईमेल संवाद, और निजी द्वीपों पर जुटती वैश्विक एलीट की बंद मंडलियाँ—किसी सस्पेंस थ्रिलर का हिस्सा नहीं लगते। वे हमारे समय के उस अंधेरे यथार्थ की झलक देते हैं, जहाँ सत्ता, धन और प्रभाव नैतिक उत्तरदायित्व से लगभग पूरी तरह अलग हो चुके हैं। ये दृश्य केवल भय नहीं जगाते; वे उस असहज सच्चाई की ओर संकेत करते हैं कि आधुनिक लोकतंत्रों में भी कुछ अपराध ऐसे हैं, जिन्हें देखने के बाद भी व्यवस्था देखने से इंकार कर देती है। हाल सार्वजनिक हुई फाइलों—ईमेल संवाद, वीडियो रिकॉर्डिंग, तस्वीरें और अदालती दस्तावेज़—से एक ऐसे नेटवर्क की तस्वीर उभरती है जो दशकों तक फैला रहा। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इनमें 30 लाख से अधिक पन्नों के दस्तावेज़, 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1.8 लाख तस्वीरें शामिल हैं। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन और अमेरिका न्याय विभाग की रिपोर्टों के अनुसार, पिछले दो दशकों में 1,000 से अधिक पीड़ितों ने एप्सटीन और उससे जुड़े नेटवर्क के विरुद्ध यौन शोषण के आरोप लगाए। 2020 तक उसकी संपत्ति से स्थापित पीड़ित मुआवज़ा कोष के माध्यम से लगभग 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया गया। मुआवज़ा अपने आप में अपराध का कानूनी प्रमाण नहीं होता, लेकिन यह संकेत अवश्य देता है कि शिकायतें महज़ कल्पना नहीं थीं। अमेरिकी नागरिक उड्डयन

रिकॉर्ड्स यह भी बताते हैं कि उसके निजी विमान—कुख्यात 'लोलिता एक्सप्रेस'—ने दो दशकों में सैकड़ों उड़ानें भरीं। प्रश्न यह नहीं है कि इन यात्राओं में कौन-कौन शामिल था बल्कि यह है कि यह सब इतने वर्षों तक सबकी आँखों के सामने कैसे चलता रहा। जेफ्री एप्सटीन का मामला नया नहीं है। 2019 में न्यूयॉर्क की मेट्रोपॉलिटन करेक्शनल सेंटर में उसकी रहस्यमय मृत्यु के साथ ही यह उम्मीद भी लगभग समाप्त हो गई थी कि पश्चिमी विश्व की शक्ति-संरचनाओं के भीतर छिपे यौन शोषण और मानव तस्करी के नेटवर्क पूरी तरह उजागर हो सकेंगे। आधिकारिक रूप से इसे आत्महत्या कहा गया, किंतु निगरानी कैमरों का निष्क्रिय होना, सुरक्षा कर्मियों की कथित लापरवाही और सह-आरोपियों पर निर्णायक कार्रवाई का अभाव—इन सबने इस मृत्यु को एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि न्यायिक जवाबदेही की मृत्यु में बदल दिया। अमेरिकी अदालतों में दर्ज आरोपों के अनुसार, एप्सटीन पर कम-से-कम 200 से अधिक नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के गंभीर आरोप थे। इसके बावजूद 2008 में उसे जिस विवादास्पद प्ली डील के तहत बेहद सीमित सज़ा दी गई, उसे आज अमेरिकी न्याय प्रणाली की सबसे बड़ी नैतिक विफलताओं में गिना जाता है। मियामी हेराल्ड की 2018 की खोजी रिपोर्ट ने स्पष्ट किया था कि इस समझौते ने दर्जनों पीड़िताओं को कानूनी प्रक्रिया से बाहर कर दिया और अभियोजन एजेंसियों ने प्रभावशाली हितों के आगे आत्मसमर्पण कर दिया। एप्सटीन फ़ाइल्स में जिन व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं—जैसे बिल गेट्स, बिल क्लिंटन, डोनाल्ड ट्रम्प, स्टेफन हाकिंग, नोआम चोम्स्की, मीरा नायर , दीपक चोपड़ा, बराक ओबामा - अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण प्रभाव के प्रतीक रहे हैं। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी नाम का उल्लेख होना, आपराधिक दोष सिद्ध होने के बराबर नहीं है। कई नाम केवल संपर्क, यात्रा या ईमेल संदर्भों में आए हैं; अधिकांश पर कोई आपराधिक सज़ा नहीं हुई है और कई ने सार्वजनिक रूप से इन आरोपों या संबंधों का खंडन भी किया है। न्याय विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नए और ठोस साक्ष्य के बिना आरोप तय नहीं किए जाएंगे। यह सावधानी आवश्यक है, क्योंकि सार्वजनिक विमर्श न्यायिक प्रक्रिया का स्थान नहीं ले सकता। फिर भी, यह तर्क भी पर्याप्त नहीं कि "कुछ सिद्ध नहीं हुआ, इसलिए प्रश्न ही न उठाए जाएँ।" लोकतांत्रिक समाज में जवाबदेही का अर्थ केवल सज़ा नहीं, बल्कि पारदर्शिता, नैतिक साहस और संस्थागत आत्मनिरीक्षण भी है। इस पूरे प्रकरण में सबसे कम सुनी गई आवाज़ें पीड़ितों की हैं। यौन अपराधों में शक्ति-संतुलन निर्णायक भूमिका निभाता है—और यही कारण है।

यामी गौतम फिल्म...

सुभाष शिरढोनकर

'धुरंधरः द रिवेंज' के कैमियो में नजर आएंगी यामी गौतम

आदित्य धर की आर्मी बेकग्राउंड पर बनी एक्शन बेस्ड फिल्म 'धुरंधर' साल 2025 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाते हुए 1000 करोड़ से अधिक का बिजनेस किया। अब ऑडियंस को इसके अगले पार्ट 'धुरंधरः द रिवेंज' का बेसब्री से इंतजार है। इस बार इस सीक्वल फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' में सारा अर्जुन के अलावा निर्देशक आदित्य धर की एक्ट्रेस बीवी यामी गौतम भी एक बेहद अहम रोल में नजर आने वाली हैं। यामी ने 4 जून, 2021 को 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइकल' (2019) के डायरेक्टर आदित्य धर से शादी की। 10 मई, 2024 को वह बेटे वेदविद की मां बनी। खबरों की माने तो यामी ने 'धुरंधरः द रिवेंज' में अपने किरदार के लिए 5 दिनों की शूटिंग खत्म भी कर चुकी है। फिल्म में उनका एक बेहद दमदार कैमियो बताया जा रहा है और अब यह फिल्म रिलीज हेतु पूरी तरह तैयार है। यामी गौतम फिल्म 'काबिल' (2017) में इंसाफ की लड़ाई लड़ने वाली महिला, 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक' (2019) में इंटेलीजेंस ऑफीसर के शानदार किरदारों के अलावा 'ए थर्सडे' (2022) और 'आर्टिकल 370' (2024) जैसी फिल्मों के अपने किरदारों के जरिए एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'हक' (2025) में शाजिया बानो के किरदार के जरिए भी यामी गौतम दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर चुकी हैं। इस फिल्म में उनका किरदार दृढ़, ईमानदार

और भावनाओं से भरा था। उम्मीदों के मुताबिक, इस फिल्म में यामी गौतम फिल्म की कहानी की आत्मा बनकर सामने आईं। फिल्म 'हक' (2025) में लोगों ने यामी गौतम की हर छोटी-बड़ी प्रतिक्रिया को महसूस किया। इस फिल्म में यामी को देखकर स्पष्ट हो गया कि वे केवल शोर-शराबे वाली फिल्मों से परे, ऐसी कहानी चुनती हैं जो दर्शकों को सोचने और महसूस करने पर मजबूर करे। वैसे तो यामी गौतम ऑडियंस के सामने हमेशा एक असरदार नायिका की छवि के साथ सामने आती रही हैं। लेकिन फिल्म 'हक' (2025) में उनका अभिनय दृढ़ता, ईमानदारी और भावनात्मक स्पष्टता पर टिका हुआ नजर आता है। इस फिल्म ने उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे प्रभावशाली और भरोसेमंद एक्ट्रेसों की फैहरिस्त में स्थायी जगह दी है। यामी गौतम ने कन्नड़ फिल्म, 'उल्लासा उत्साहा' (2009) से फिल्मों में डेब्यू किया था। उसके बाद पंजाबी फिल्म 'एक नूर' (2011) और तेलुगु फिल्म 'नुव्वीला' (2011) करने के बाद उन्होंने फिल्म 'विक्की डोनर' (2012) से हिंदी सिने जगत में करियर की शुरूआत की। इस फिल्म में वे आयुष्मान खुराना के अपोजिट नजर आई थीं।

कितने ताकतवर साबित होंगे नेपाल के बालेन शाह?

भारत की सीमा से जुड़े देश नेपाल के नये राजनीतिज्ञ के रूप में उभरे बालेन शाह एक ऐसा नाम बन गये हैं जिसने पारंपरिक दलों की राजनीति को चुनौती देकर एक मिसाल काल कायम कर दी है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल में यह पहला आम चुनाव है। काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर के रूप में उनकी पार्टी की जीत ने यह संकेत दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक ढांचे से हटकर नए और स्वतंत्र नेतृत्व को अवसर देने के लिए तैयार है। इंजीनियर, रैपर और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाने वाले बालेन शाह की लोकप्रियता मुख्यतः उनकी साफ-सुथरी छवि, तेज निर्णय क्षमता और सिस्टम को बदलने के वादे पर खरे उतरने वाले राजनेता होने के कारण है। नेपाल में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था है और वहां की संसद दो सदनों से मिलकर बनी। इनमें निचला सदन प्रतिनिधि सभा और ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा कहलाता है। प्रतिनिधि सभा को भारत की लोकसभा की तरह माना जाता है। ऐसे में उनकी पार्टी नेपाल के संसदीय चुनाव के नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं, वहीं नेपाल में पिछले काफी समय से युवाओं के बीच राजनीति को लेकर बढ़ती सक्रियता देखने को मिली है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद देश में यह पहला आम चुनाव है। उस आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था और सांसद भंग कर दी गई थी।

सौरभ वार्ष्णेय

जरा हटके

हमास द्वारा इज़रायल...

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

मध्य-पूर्व संकट और और उसका वैश्विक भू-राजनीतिक प्रभाव

अमेरिका और ईरान के बीच टकराव की जड़ें परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय शक्ति सन्तुलन तथा मध्य-पूर्व की राजनीति में निहित हैं। ईरान का परमाणु कार्यक्रम 1950 के दशक में शुरू हुआ था, लेकिन 2002 में गुप्त परमाणु प्रतिष्ठानों के उजागर होने के बाद अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की चिन्ता बढ़ गई। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका और यूरोपीय देशों ने ईरान पर कठोर आर्थिक प्रतिबन्ध लगाए। 2015 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी ने ईरान के साथ जॉइंट कॉम्प्रिहेन्सिव प्लान ऑफ एक्शन(JCPOA) समझौता किया जिसके तहत ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने और अन्तर्राष्ट्रीय निरीक्षण स्वीकार करने पर सहमति दी। इसके बदले उस पर लगे कई आर्थिक प्रतिबन्ध हटाए गए किन्तु 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिका को इस समझौते से अलग कर लिया और ईरान पर फिर से कठोर प्रतिबन्ध लगा दिए, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया।इसके बाद फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हमले, इराक और सीरिया में अमेरिकी ठिकानों पर रॉकेट हमले तथा क्षेत्रीय संघर्षों ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया। 7 अक्टूबर 2023 को गाज़ा से शुरू हुआ यह संकट अब मध्य-पूर्व में एक व्यापक युद्ध का रूप ले चुका है। हमास द्वारा इज़रायल पर किए गए हमले के बाद शुरू हुई सैन्य कार्रवाई ने धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र को ध्रुवीकृत कर दिया और इज़रायल-हमास संघर्ष ईरान-इज़रायल टकराव में बदलने लगा।

इज़रायल का आरोप रहा है कि हमास, हिज़्बुल्लाह और यमन के हूती जैसे समूहों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। गाज़ा युद्ध के बाद लेबनान सीमा पर झड़पें, लाल सागर में जहाजों पर हमले और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा किया। अन्ततः 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों के साथ यह झड़प एक पूर्ण युद्ध में तब्दील हो गई। मध्य-पूर्व में प्रति दिन बड़ी तेजी से स्थितियाँ बदल रही हैं। अमेरिका और इज़रायल ने ईरान के सैन्य और रणनीतिक ठिकानों के साथ-साथ लेबनान में हिज़्बुल्लाह के गढ़ों पर व्यापक हवाई हमले किए जिससे भारी तबाही और बड़े पैमाने पर जन-विस्थापन हुआ। विशेष रूप से बेरूत के दक्षिणी क्षेत्रों में इज़रायली हमलों के कारण लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े।ट्रम्प अब यह कह रहे हैं कि इस सैन्य अभियान का अन्त केवल ईरान के "बिना शर्त आत्मसमर्पण" से ही सम्भव है। वस्तुतः यह युद्ध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। इज़रायल का कहना है कि उसके हमलों का लक्ष्य ईरान के मिसाइल ठिकाने, सैन्य कमांड केंद्र और हिज़्बुल्लाह के सैन्य ढांचे हैं। इसके जवाब में ईरान ने क्षेत्रीय प्रतिक्रिया देते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनका लक्ष्य इज़रायल और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे। कुवैत, क़तर, सऊदी अरब और बहरीन जैसे देशों में भी हमले किए गए क्योंकि वहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। इससे पूरा मध्य-पूर्व क्षेत्र युद्ध की चपेट में आता दिखाई दे रहा है।इस संघर्ष में बड़ी संख्या में लोग मारे गए और घायल हुए हैं, जबकि तेल आपूर्ति, अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों और वैश्विक बाजारों पर भी असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र और कई अन्तर्राष्ट्रीय नेताओं ने इस संकट को रोकने और तनाव कम करने की अपील की है, क्योंकि यदि युद्ध लम्बा चला तो इसका प्रभाव पूरे विश्व की राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था पर पड़ सकता है। इस युद्ध का सबसे महत्त्वपूर्ण रणनीतिक आयाम फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ है, जिसे वैश्विक ऊर्जा व्यापार की बड़ी कड़ी माना जाता है। यह संकीर्ण जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और मध्य-पूर्व के प्रमुख तेल उत्पादक देशोंसऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरातके तेल निर्यात का मुख्य मार्ग है। यहाँ से प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल तेल, यानी विश्व के कुल तेल व्यापार का लगभग पाँचवाँ हिस्सा, इसी मार्ग से होकर गुजरता है। इसलिए इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का सैन्य तनाव तुरन्त वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित करता है। यदि युद्ध के कारण इस मार्ग की सुरक्षा पर खतरा बढ़ता है या तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित होती है, तो अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हो सकती है। इसका प्रभाव केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक महँगाई, परिवहन लागत और आर्थिक स्थिरता पर भी व्यापक असर पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने केवल तेल आपूर्ति ही नहीं बल्कि वैश्विक डिजिटल अवसंरचना के लिए भी गम्भीर संकट पैदा कर दिया है। विशेष रूप से फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के आसपास समुद्र के नीचे बिछी इन्टरनेट केबलों की सुरक्षा को लेकर चिन्ता बढ़ गई है। यह क्षेत्र वैश्विक तेल परिवहन के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय डाटा संचार का भी एक महत्त्वपूर्ण मार्ग है। कई प्रमुख फाइबर-ऑप्टिक केबलें इसी समुद्री मार्ग से गुजरती हैं जो भारत सहित एशिया और मध्य-पूर्व के बीच डिजिटल कनेक्टिविटी का आधार बनाती हैं। ईरान इस क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकता है। निःसंदेह इससे वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था और संचार नेटवर्क प्रभावित होगा। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव हो सकते हैं।

प्रयागराज स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में हुई सुनवाई, याचिकाकर्ता ने सीतापुर पहुंचने से रोकने की मांग की

शंकराचार्य की 'गौ प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा' पर रोक की मांग पर फैसला सुरक्षित

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की 'गौ प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा' पर रोक लगाने की मांग को लेकर सोमवार को प्रयागराज की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। यात्रा पर रोक लगाने की याचिका आशुतोष महाराज ने दाखिल की है। सुनवाई के बाद उन्होंने बताया कि कोर्ट ने सभी पक्षों की बात सुन ली है और अब फैसला सुरक्षित रखा गया है। सुनवाई से पहले आशुतोष महाराज ने कहा था

कि शंकराचार्य को सीतापुर पहुंचने से रोका जाए, क्योंकि उनके खिलाफ बयान दर्ज कराने वाले बटुक पड़ोसी जिले हरदोई के रहने वाले हैं। उनका कहना है कि यात्रा से बटुकों में भय का माहौल है। इसी अदालत में आशुतोष महाराज ने पहले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बटुकों से कथित यौन उत्पीड़न का मामला भी दर्ज कराया था। बताया जा रहा है कि शंकराचार्य ने 7 मार्च को काशी से 'गौ प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा' की शुरुआत की थी। यह यात्रा रायबरेली और उन्नाव होते हुए सोमवार शाम को सीतापुर पहुंचने वाली है। गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर निकाली जा रही यह यात्रा 11 मार्च को लखनऊ में समाप्त होगी।

चलती ट्रेन में हमले के मामले में एफआईआर

इसी बीच आशुतोष महाराज पर चलती ट्रेन में हुए हमले के मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने घटना के समय ट्रेन में मौजूद चार यात्रियों से पूछताछ भी की है, हालांकि अभी तक जांच में सामने आई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। बताया गया कि आशुतोष महाराज रीवा एक्सप्रेस से गाजियाबाद से प्रयागराज जा रहे थे। उनका रिजर्वेशन फर्स्ट एसी कोच में था। सिराथू रेलवे स्टेशन के पास टॉयलेट के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया और धारदार हथियार से उनकी नाक काटने की कोशिश की।

आशुतोष का आरोप- हमला करवाया गया

घटना के बाद आशुतोष महाराज ने आरोप लगाया था कि यह हमला उनके खिलाफ कोर्ट में चल रहे मामले से जुड़ा हो सकता है। उनका दावा है कि वे अदालत में सबूत पेश न कर पाएं, इसलिए उन पर हमला करवाया गया। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज मूल रूप से कांधला के निवासी हैं।

"आशुतोष महाराज ने बताया था- मैं रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से गाजियाबाद से प्रयागराज जा रहा था। फर्स्ट एसी कोच में बैठा था। रास्ते में सिराथू रेलवे स्टेशन के पास सुबह करीब 5 बजे टॉयलेट के लिए उठा। गेट के पास एक आदमी खड़ा था। जैसे ही मैं आगे बढ़ा, उसने पीछे से मुझ पर हमला कर दिया। उसने धारदार हथियार से मेरी नाक काटने की कोशिश की और चेहरे व हाथ पर कई वार किए। इससे मुझे गंभीर चोटें आईं और काफी खून बहा। वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे और ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर लिया। वहीं से उन्होंने जीआरपी को फोन कर घटना की जानकारी दी।

मां-बेटी ट्रेन से 10 टुकड़ों में कटीं

इंजन से टकराईं, पति के मुंबई में जॉब करने से नाराज थी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में एक महिला ने बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। महिला सोमवार शाम दवा लेने के लिए घर से निकली थी। साथ में 3 साल की बेटी और पति भी था। लेकिन बाजार में उसने पति का साथ छोड़ दिया। गोद में बेटी को लेकर वह ट्रेन देखकर पटरी पर दौड़ने लगी, लोग उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन महिला को पकड़ नहीं सके। उसका पति भी पीछे- पीछे से दौड़ता रहा। तब तक ट्रेन के इंजन से टकराकर मां-बेटी 10 टुकड़ों में कट गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। पति भी शव से लिपटकर बिलखता रहा, इसके बाद आरपीएफ समेत पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पति

से पंचनामा भरवाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना जंसा थाना क्षेत्र के चौखंडी रेलवे लाइन की है। जंसा थाना क्षेत्र के चौखंडी रेलवे लाइन पर लच्छीपुर गांव में अनीता देवी (22वर्ष) अपनी 3 साल की बेटी दर्शना के रहती थी। पति अजीत कुमार मुंबई में नौकरी करता है। घर पर कम ही आता था। इसी वजह से पति पत्नी में अक्सर लड़ाई होती रहती है। इस समय पति घर पर ही था। आज सोमवार को पति और पत्नी में फिर विवाद हो गया।

फास्ट न्यूज

गंगा मेला से पहले नगर आयुक्त निरीक्षण करने पहुंचे

कानपुर। कानपुर नगर निगम के नगर आयुक्त Arpit Upadhyay ने सोमवार को गंगा मेला के मद्देनजर जुलूस मार्गों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोतवाली चौराहे से चूड़ी बाजार, शिवाला होते हुए राममोहन हाता से कमला टावर तक कराए गए पैच मरम्मत के कार्य को देखा। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गंगा मेला के दौरान निकलने वाले जुलूस मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

शेरनी नीरजा ने 4 शावकों को जन्म दिया

इटावा। इटावा सफारी पार्क में शेरनी नीरजा ने चार शावकों को जन्म दिया है। शेरनी और शावक स्वस्थ हैं। सीसीटीवी से उनकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। केज के आसपास 7 दिन तक पब्लिक या सामान्य कर्मचारी के जाने की अनुमति नहीं है। शावक नर हैं या मादा, यह एक सप्ताह के बाद पता चलेगा।पार्क प्रबंधन ने शावकों के जन्म के बाद का वीडियो जारी किया है। इसमें शेरनी नीरजा अपने शावकों को दुलार रही है। शावक उसके पेट पर चढ़कर घूम रहे हैं। यह तीसरी बार है, जब नीरजा ने शावकों को जन्म दिया है।

संभल में फसल क्रांति किसान मेला आयोजित

संभल। संभल में फसल क्रांति किसान मेले का आयोजन किया गया। इसमें कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह रिंकू भी मौजूद रहे। कृषि मंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार की किसान योजनाओं पर संवाद किया। उक्त कार्यक्रम संभल तहसील के ऐंचौड़ा कम्बोह गांव में सोमवार दोपहर 2 बजे आयोजित हुआ।

नोडल अधिकारी नीना शर्मा ने किया बाराबंकी में विकास कार्यों का निरीक्षण

निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर अस्पताल, ट्रांजिट हॉस्टल और कल्याण मंडप की प्रगति का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। नीना शर्मा, जो बाराबंकी की नोडल अधिकारी भी हैं, ने सोमवार को जनपद के विभिन्न स्थलों का एकदिवसीय निरीक्षण कर विकास कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ तेजी बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत जिला अस्पताल के पास बेगमगंज क्षेत्र में बन रहे 50 शैय्या वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल से की गई। नोडल अधिकारी ने निर्माण कार्य का बारीकी से निरीक्षण करते हुए अस्पताल के सभी कमरों में आधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक बेड तक ऑक्सीजन गैस की सुचारु आपूर्ति के लिए पाइपलाइन व्यवस्था को दुरुस्त रखने

पर जोर दिया। साथ ही फायर सेफ्टी और जल निकासी से जुड़ी व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला अस्पताल में स्थापित ऑक्सीजन गैस प्लांट का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि यदि इस प्लांट से पाइपलाइन के माध्यम से नए क्रिटिकल केयर अस्पताल तक ऑक्सीजन की आपूर्ति संभव नहीं है तो वहां नया ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से बातचीत कर उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी भी ली। इसके बाद नोडल अधिकारी ने राजकीय कार्यालय परिसर में बने ट्रांजिट हॉस्टल तथा नवाबगंज विस्तारित क्षेत्र में निर्माणाधीन कल्याण मंडप का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता बनाए रखने और कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही कल्याण मंडप परिसर में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा। निरीक्षण के क्रम में नोडल अधिकारी शहर के गांधीनगर वार्ड, बाराबंकी भी पहुंचीं, जहां स्थानीय सभासद और नागरिकों ने उनका स्वागत किया। वार्ड निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासी लाली पति पप्पू ने नाली, सड़क और स्ट्रीट लाइट से जुड़ी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस पर नोडल अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्नाव में पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमालनगर गैर-एहतमाली गांव में सोमवार दोपहर एक अधेड़ व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला। किसानों ने गौशाला के समीप बाग में शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान राजेंद्र पाल (55) के रूप में हुई, जिसके छोटे भाई ने बताया कि वह पिछले 10 वर्षों से मानसिक रूप से बीमार थे। सोमवार दोपहर करीब दो बजे किसानों ने जमालनगर गैर-एहतमाली गौशाला के पीछे एक पेड़ से शव लटकता देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सोशल मीडिया के माध्यम से शिनाख्त का प्रयास किया। कोतवाली क्षेत्र के मरौंदा सूचित निवासी मनोज पाल ने शव की पहचान अपने बड़े भाई राजेंद्र पाल पुत्र राजकुमार के रूप में की। मनोज पाल ने पुलिस को बताया कि उनके भाई राजेंद्र पाल पिछले 10 वर्षों से मानसिक बीमारी से जूझ रहे थे।

कांवड़ पटरी मार्ग पर हादसा, इजरायली नागरिक गंभीर घायल

अनियंत्रित बाइक कैंटर से टकराई, दिल्ली से हरिद्वार जा रहा था युवक

तमसा संकेत, एजेंसी

खतौली क्षेत्र में गंगनहर कांवड़ पटरी मार्ग पर सोमवार को हुए एक सड़क हादसे में इजराइल का एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान पारन (28) के रूप में हुई है, जो दिल्ली से हरिद्वार की ओर जा रहा था। हादसे के बाद कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार पारन अपनी बाइक से दिल्ली से हरिद्वार की ओर जा रहा था। जब वह नेशनल हाईवे पुल, खतौली के पास पहुंचा, तभी अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई। बाइक का संतुलन बिगड़ते ही वह सड़क किनारे खड़े एक कैंटर से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क

पर गिर पड़ा और लहूलुहान हो गया। हादसे को देख वहां मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायल युवक को निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने पारन को प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन उसकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज मेरठ रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार युवक की हालत फिलहाल चिंताजनक बनी हुई है और उसका उपचार जारी है। घटना के बाद कांवड़ पटरी मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्था संभाली और यातायात को सामान्य कराया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में बाइक के अनियंत्रित होने के कारण यह हादसा होने की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के अन्य कारणों की भी पड़ताल की जा रही है। वहीं इस घटना ने एक बार फिर सड़क पर सुरक्षित और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की आवश्यकता को उजागर किया है।

एमआईईटी में 84 शिक्षकों ने लिया इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड फैकल्टी एनेबलमेंट प्रोग्राम में हिस्सा

इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड के साथ एमआईईटी में शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी), मेरठ में इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड के सहयोग से आयोजित फैकल्टी एनेबलमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ सोमवार को किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को उद्योग से संबंधित नवीनतम ज्ञान, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों तथा उभरती तकनीकों की जानकारी देकर उन्हें और अधिक सक्षम बनाना है, ताकि शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम किया जा सके। तीन दिवसीय यह कार्यक्रम 9 मार्च 2026 से 11 मार्च 2026 तक एमआईईटी में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में कुल 84 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे यह शिक्षकों के लिए एक अत्यंत उपयोगी, संवादात्मक और ज्ञानवर्धक मंच सिद्ध हो रहा है। कार्यक्रम में

इन्फोसिस की विशेषज्ञ वक्ता डिंपल भसीन, स्पेशलिस्ट – लर्निंग (एजुकेशन, ट्रेनिंग एंड असेसमेंट यूनिट) तथा नेहा अंतिल, सीनियर एसोसिएट (एजुकेशन, ट्रेनिंग एंड असेसमेंट यूनिट) द्वारा प्रतिभागियों को उद्योग की आवश्यकताओं, नई तकनीकों और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, कैंपस निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह, डीन एकेडमिक्स डॉ. एस. के. सिंह तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विकास श्रीवास्तव उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षकों को नई तकनीकों और उद्योग की अपेक्षाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। bकार्यक्रम का संयोजन एसोसिएट डीन (ट्रेनिंग) गौरव कंसल द्वारा किया जा रहा है। वहीं इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड के एसपीओसी डॉ. सतेंद्र कुमार तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अंकुश गुप्ता के समन्वय से कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान से लैस कर विद्यार्थियों को उद्योग के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चौकी से महज 200 मीटर दूर हुई घटनाएं, ग्रामीणों में आक्रोश

लालपुर करौता चौकी के पास दिनदहाड़े बकरियों की चोरी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी लालपुर करौता चौकी के पास पिछले एक सप्ताह के भीतर तीन बकरों और एक बकरी की चोरी के मामले सामने आए हैं। खास बात यह है कि सभी घटनाएं दिनदहाड़े चौकी से करीब 200 मीटर की दूरी पर हुई हैं, जिससे पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। लगातार हो रही चोरियों से क्षेत्र में दहशत और नाराजगी का माहौल है। इसी क्रम में लालपुर करौता गांव निवासी शकील ने बताया कि मेन चौराहे के पास से अज्ञात चोर उनके दो बकरों को दिनदहाड़े चुरा ले गए। उन्होंने बताया कि दोनों बकरों की कीमत करीब 20-20 हजार रुपये थी। यदि ऐसी कोई घटना हुई है तो जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद से वह काफी परेशान हैं।

दिनदहाड़े बकरी चोरी का मामला

जानकारी के अनुसार लालपुर करौता चौकी क्षेत्र के कुतलूपुर गांव निवासी शकीला ने बताया कि 1 मार्च को अज्ञात चोरों ने कुतलूपुर बाजार के पास सड़क से उनकी बकरी दिनदहाड़े चोरी कर ली। उन्होंने बताया कि बकरी की कीमत करीब 15 हजार रुपये थी। घटना के बाद पीड़िता ने चौकी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

घर के दरवाजे से भी उठा ले गए बकरा

वहीं करौता गांव निवासी मोहम्मद रफी ने बताया कि बीते रविवार को उनके घर के दरवाजे से अज्ञात लोगों ने दिनदहाड़े एक बकरा चोरी कर लिया। इसकी कीमत करीब 16 हजार रुपये बताई जा रही है। इस संबंध में उपेंद्र सिंह, चौकी इंचार्ज लालपुर करौता ने बताया कि उन्हें इस मामले की फिलहाल जानकारी नहीं है। यदि ऐसी कोई घटना हुई है तो जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

लगातार हो रही इन चोरियों से क्षेत्र के लोगों में काफी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस चौकी से महज कुछ दूरी पर इस तरह की घटनाएं होना गश्त और सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रहा है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द चोरों को पकड़कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

बयान : वाराणसी की फिजा में गूंजी सदा ए या अली, अजादारों ने की सीनाजनी

इमाम अली की याद में दालमंडी से उठा जुलूस

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। शिया मुसलामानों के पहले इमाम और पैगंबर साहब के दामाद इमाम अली की शहादत की याद में दालमंडी से सोमवार की सुबह नमाज के बाद जुलूस उठाया गया। जुलूस उठने से पहले मौलाना ने इमाम अली के तलवार लगाने के उस वाकये को बयान किया जो इस्लाम में पहली आतंकी घटना थी। जब अब्दुर्रहमान इब्ने मुल्जिम ने जहर बुझी तलवार से इमाम अली के सिर पर हमला किया था। इस हमले के बाद इमाम अली की शहादत 21 रमजान 40 हिजरी में हुई थी। शिया मुसलमान 19 रमजान से 21 रमजान तक इमाम अली का गम मनाते हैं। दालमंडी के अलावा जव्वादिया अरबी कालेज में भी मजलिस के बाद तुर्बत उठाई गई। फिजा में या अली

की सदाएं गूंजती रही। जुलूसों उठने पर अंजुमन हैदरी चौक बनारस ने नौहाख्वानी वा मातम किया। नौहा- फलक पर सुबह का तारा तुलु (निकलता) है। खुदा के सजदे में साजिद शहीद होता है। पड़े हैं गश में अली खून में नहाए हुए, के जुल्फेकार के साये में शेर सोया है। पुकारते हैं नमाजी अली शहीद हुए। जहां में हश्र बपा है हर एक रोता है; की सदा के साथ जुलूस आगे बढ़ा। जुलूस अपने कदीमी रास्तों दालमंडी, नई सड़क, शेख सलीम फाटक, काली महल, पितृकुण्डा, मुस्लिम स्कूल होता हुआए दरगाह फातमान में समाप्त हुआ।

इधर जव्वादिया अरबी कालेज, प्रादघाट में मजलिस का आयोजन किया गया। यहां मजलिस को मौलाना हैदर अब्बास ने खेताब फरमाया। उन्होंने पढ़ा कि - इमाम अली जब जख्मी हालत में घर पहुंचे तो कोहराम मच गया। उनकी बेटियां जनाबे जैनब और जनाबे कुलसूम की चीखें निकल गयीं।

मस्जिदे कूफा में हुआ हमला

दालमंडी के चहमामा इलाके से अपनी पुरानी रवायतों के अनुसार हजरत अली की याद में तुर्बत का जुलूस उठाया गया। जुलूस उठने से पहले मौलाना बाकर हुसैन ने मजलिस पढ़ी। उन्होंने कहा 40 हिजरी में इमाम अली ईराक के शहर कूफा में रहते थे। मस्जिदे कूफा में रोजाना नमाज पढ़ते थे। 40 हिजरी की 19 रमजान की सुबह जब वो सुबह की नमाज पढ़ रहे थे और सजदे में थे उसी समय उनके दुश्मनों ने मस्जिद के अंदर नमाज की हालत में इमाम अली पर जहर बुझी तलवार से हमला कर दिया। ये सुनकर वहां मौजूद लोग जारो कतार रोने लगे।

अपने कातिल को खुद जगाया

मौलाना बाकर हुसैन ने आगे पढ़ा- 19 रमजान सन 40 हिजरी को जब इमाम अली फज्र की नमाज पढ़ने के लिए कूफा की मस्जिद में पहुंचे तो उनका कातिल अब्दुर्रहमान मस्जिद में सो रहा था। उन्होंने उसे जगाया और कहा की नमाज का वक्त है सोना कैसा। इसके बाद उस आतंकी ने उनके ऊपर जहर बुझी तलवार से हमला किया। जिसके बाद उनके सिर से खून निकलने लगा। लोगों ने कातिल को पकड़कर अली के सामने पेश किया पर उन्होंने उस वक्त भी उसके जिसमे बंधी रस्सी खुलवा दी। ऐसे में हमें इमाम अली की जिंदगी और मौत दोनों से सीख लेनी चाहिए।

होली मिलन समारोह में सजा अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन

व्यंग्य और श्रृंगार रस की रचनाओं से देर रात तक बांधा समां

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। श्री होलिकोत्सव समिति के तत्वावधान में कस्बे में आयोजित होली मिलन समारोह एवं अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कवियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से श्रोताओं को देर रात तक मंत्रमुग्ध कर दिया। हास्य, व्यंग्य, ओज और श्रृंगार रस से भरपूर काव्यपाठ पर श्रोताओं ने तालियों की गूंज के साथ कवियों का उत्साहवर्धन किया। रविवार की रात कस्बे के मिडिल स्कूल प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष इरशाद अहमद तथा बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रेमचन्द्र पाल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद काव्यपाठ का दौर शुरू हुआ, जो देर

रात तक चलता रहा। कार्यक्रम की शुरुआत कवि डॉ. ओम शर्मा 'ओम' ने मां सरस्वती की वंदना "श्वास बंद हो या श्वास तंत्र बंद हो, परन्तु वंदनीय वंदना की वंदना न बंद हो" प्रस्तुत कर की। इसके बाद मंच पर आए कवियों ने अपनी रचनाओं से माहौल को हास्य और व्यंग्य से सराबोर कर दिया। फतेहपुर के कवि सचिन सावरिया ने अपनी प्रेम रस से भरी पंक्तियां "आजकल उनसे मुलाकात नहीं होती है, लाख करते हैं मगर बात नहीं होती है " सुनाकर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। वहीं छत्तीसगढ़ के कवि हीरामणि वैष्णव ने अपनी ओजपूर्ण रचना "डर को भी डर दिखलाते मार डालेंगे " सुनाकर देशभक्ति और जोश का माहौल बना दिया। कवि कमल आग्नेय ने भारत की प्रगति और स्वाभिमान को दर्शाती पंक्तियां "चंद्रयान से आगे बढ़कर सूर्ययान का भारत है, डर-डर कर जीना छोड़ दिया ये स्वाभिमान का भारत है " सुनाकर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। इसके अलावा लोकेश त्रिपाठी ने श्रृंगार रस से ओतप्रोत रचना "रूठ जाएं अगर तो मना लीजिए " प्रस्तुत कर लोगों का दिल जीत लिया। वहीं सौरभ जायसवाल ने हास्य से भरपूर पंक्तियां "दोस्ती के कभी जुनून पर नहीं गए, हम जमीं पर रहे मून पर नहीं गए " सुनाकर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम में प्रमोद पंकज और सचिन सावरिया ने भी अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से तालियां बटोरीं।

भीड़ ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, कानपुर में मंदिर से घसीटकर निकाला, बोले- धर्म भ्रष्ट कर रहा है

नॉनवेज खाते पुजारी की तस्वीर वायरल

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में एक मंदिर के पुजारी की नॉनवेज खाते हुए तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इस पर लोग भड़क गए। करीब 50-60 लोग मंदिर पहुंचे और पुजारी को मंदिर परिसर से बाहर बुलाने लगे।

जब पुजारी बाहर आने में आनाकानी करने लगे तो कुछ लोग मंदिर के अंदर घुस गए और उन्हें घसीटते हुए बाहर ले आए। इसके बाद वायरल तस्वीर को लेकर उनसे सवाल-जवाब करने लगे। इसी

पं. प्रशांत गिरी (वायरल तस्वीर)

दौरान कहासुनी बढ़ गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया।

गुस्साई भीड़ ने पुजारी पर थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। पुजारी खुद को बचाने के लिए भागने लगा तो लोगों ने उसे दौड़ाकर पीटा। मंदिर के आसपास की दुकानों में काम करने वाली महिलाएं बीच-बचाव के लिए आगे आईं। वे पुजारी को छोड़ देने की मिन्नतें करती रहीं, लेकिन भीड़ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। लोगों ने कहा, पुजारी धर्म भ्रष्ट कर रहा है। करीब एक घंटे तक मौके पर हंगामा चलता रहा। यह घटना रविवार रात रावतपुर के केशवपुरम स्थित भूतेश्वर मंदिर की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह पुजारी को भीड़ से छुड़ाकर थाने ले गई। हालांकि, वायरल तस्वीर कहां की है, किसने खींची और किसने उसे सोशल मीडिया पर फैलाया, इसे लेकर अब तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

दो दिन पहले फोटो वायरल, मंदिर से बाहर करने की मांग

प्रशांत गिरी उर्फ गोलू पंडित, रावतपुर के भूतेश्वर मंदिर में पुजारी और महंत हैं। वह मंदिर परिसर में बने कमरे में ही रहते हैं। दो दिन पहले उनकी नॉनवेज खाते एक फोटो वायरल हुई। फोटो सामने आने के बाद लोग गुस्से में आ गए। धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाने लगे। मंदिर से बाहर करने की मांग करने लगे।

> **वहीं पुजारी ने पुलिस के सामने दावा किया है कि कुछ लोग उन्हें मंदिर से हटवाने की साजिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें बदनाम करने के लिए उनकी पुरानी तस्वीर को एडिट कर वायरल किया गया है।**

वीडियो से पीटने वालों की पहचान कर रही पुलिस

थाने में घायल पुजारी प्रशांत गिरी ने रविवार देर रात शिकायत दी। रावतपुर थाना प्रभारी कमलेश राय ने बताया पीड़ित को भीड़ से सुरक्षित निकाल लिया है। उनकी शिकायत के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जा रही है। मारपीट का वीडियो भी मिला है। उसके आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

बचाने आईं महिलाओं से भी मारपीट

रविवार रात कुछ लोग मंदिर पहुंचे और पुजारी से मारपीट कर दी। आसपास की महिलाएं पुजारी को बचाने आईं। उन्हें घेर कर बैठ गईं। भीड़ ने महिलाओं पर भी थप्पड़ बरसाए। हालात बेकाबू होते देख किसी ने डॉयल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पुजारी को भीड़ से छुड़ाया।

क्रांतिकारियों को होली खेलने से रोका तो शुरू हुआ गंगा-मेला

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । होली के रंग अभी शहर की गलियों से पूरी तरह उतरे भी नहीं होते कि कानपुर एक बार फिर रंग, परंपरा और इतिहास के अनोखे संगम में डूब जाता है। कानपुर के ऐतिहासिक गंगा मेला में सिर्फ गुलाल ही नहीं उड़ता, बल्कि आजादी की उस जिद और जुनून की कहानी भी दोहराई जाती है, जिसने अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी थी।

साल 1942 में जब क्रांतिकारियों को होली खेलने से रोका गया, तो उन्होंने झुकने के बजाय विरोध का रास्ता चुना। कई लोग जेल गए, लेकिन शहर का उत्साह थमा नहीं। होली की मस्ती सड़कों पर चलती रही और जब छठवें दिन क्रांतिकारी रिहा हुए, तब पूरे शहर ने गंगा किनारे एक साथ रंग खेला। इसे आज हम कानपुर का गंगा मेला कहते हैं। आज भी हर साल यह दिन शहर के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होता। रंगों से सराबोर भीड़, गंगा घाटों की रौनक और परंपरा की

धड़कन सब मिलकर कानपुर को एक अलग ही रंग में रंग देते हैं।

कानपुर इतिहास समिति के महासचिव अनूप शुक्ला ने बताया- हटिया शहर की सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। यहीं से होली गंगा मेला की परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। कहा जाता है कि सन 1942 में राष्ट्रीय आंदोलन अपने चरम पर था और हटिया स्थित नवजीवन पुस्तकालय इस आंदोलन का महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ था।

उन दिनों शहर में सात दिनों तक होली मनाने की परंपरा थी, लेकिन तत्कालीन कलेक्टर ने इस पर रोक लगा दी। कलेक्टर का यह फैसला कांग्रेसियों और क्रांतिकारियों को नागवार गुजरा।

फास्ट न्यूज

आगरा दीवानी में एक बार फिर बम की धमकी

आगरा । आगरा जनपद न्यायालय को ईमेल के जरिए दीवानी भवन को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। एसएसएफ और बम निरोधक दस्ते ने सुबह से ही न्यायालय परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी।

ईमेल में लिखा था कि पूरे कोर्ट परिसर को लंच के बाद बम से उड़ा दिया जाएगा।

यूपी में सूर्यकुमार के गांव में मनी दिवाली

लखनऊ। टीम इंडिया ने अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को हराकर लगातार दूसरा टी-20 वर्ल्ड कप जीत लिया। इंडिया के मैच जीतते ही पूरे यूपी में जमकर आतिशबाजी की गई। काशी और आगरा में दिवाली मनाई गई। आगरा में फैंस ने तिरंगा लहराकर जश्न मनाया। डांस भी किया।

कप्तान सूर्यकुमार यादव के पैतृक गांव हथौड़ा (गाजीपुर) में दीवाली जैसा जश्न मना। न्यूजीलैंड के हर विकेट पर परिवार ने पटाखों के साथ 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। चैंपियन बनने के बाद जब सूर्यकुमार ने पिच की मिट्टी को माथे पर लगाया तो दादा विक्रमा यादव भावुक हो गए।

55 की उम्र में कर चुका 6 शादी 7वीं की तैयारी

आजमगढ़ । आजमगढ़ में एक व्यक्ति सातवीं बार शादी की तैयारी में है। 55 वर्ष की उम्र में वह छह शादी कर चुका है। सातवीं बार दूल्हा बनने की जानकारी उसके नाबालिग बेटे को हो गई। उसने पुलिस से शादी रुकवाने की गुहार लगाई है। बेटे ने बताया शादी के लिए अपनी जमीन गिरवी रख दी है। पुलिस ने मामला सुलझाने का भरोसा दिया है। मामला अहरौला थाना क्षेत्र का है।

मेडल जीतकर लौटे तरुण व दिव्यांशु का जोरदार स्वागत

तमसा संकेत, संवाददाता

चौमुहाँ (मथुरा)। वाराणसी में संपन्न हुई अंडर-15 कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाने वाले पहलवान तरुण सिसोदिया और दिव्यांशु सिसोदिया का गाँव पहुँचने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। फूलों की मालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ दोनों युवा खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया।

वाराणसी में 17 से 19 फरवरी तक आयोजित इस चैंपियनशिप में तरुण सिसोदिया ने 41 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक (सिल्वर मेडल) और दिव्यांशु सिसोदिया ने 38 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक (ब्रोंज मेडल) जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

जिला कुश्ती संघ मथुरा के महासचिव जनार्दन सिंह पहलवान, अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय ने दोनों खिलाड़ियों के

उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली पहलवान आने वाले समय में जिले और प्रदेश के साथ-साथ देश का नाम भी विश्व पटल पर ऊँचा करेंगे। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से गिर्राज सिंह, सुरेश मेंबर, बिहारी लाल उर्फ पूरन सिंह, कालू पहलवान, जगन्नाथ सिसोदिया, पुष्पेंद्र पहलवान, भप्पा सिसोदिया, पंडित चिंतामणि शर्मा, कुलदीप सिसोदिया और रतन सिंह आदि ने दोनों पहलवानों को अपना आशीर्वाद और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

बरेली में करोड़ों का जीएसटी फर्जीवाड़ा

फर्जी फर्म बनाकर डकारे सरकारी राजस्व के 59 लाख रुपए, एसआईटी ने घेराबंदी कर दो गुर्गों को दबोचा

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । यूपी के बरेली में जीएसटी चोरी और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) के जरिए सरकार को करोड़ों का चूना लगाने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। क्राइम ब्रांच और थाना किला पुलिस की संयुक्त एसआईटी टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए इस रैकेट से जुड़े दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने कागजों पर फर्जी कंपनियां खड़ी कर 59 लाख रुपए से अधिक का फर्जी रिफंड डकार लिया। पुलिस अब इस सिंडिकेट के मास्टरमाइंड फरजान हाशमी की तलाश में जुटी है, जो फिलहाल फरार चल रहा है।

इस पूरे घोटाले की नींव किला क्षेत्र के बड़ा बाजार निवासी फरजान हाशमी ने रखी थी। फरजान ने 'एफएस ट्रेडर्स' नाम से एक ऐसी

> **एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन और एसपी क्राइम के नेतृत्व में गठित इस टीम में निरीक्षक संजय कुमार धीर, उप-निरीक्षक वीरभद्र सिंह, सतेन्द्र कुमार (सर्विलांस सेल), हेड कांस्टेबल सतेन्द्र और विकास कुमार शामिल रहे। पुलिस अब मुख्य आरोपी फरजान हाशमी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।**

फर्म बनाई, जिसका जमीन पर कोई वजूद ही नहीं था। राज्य कर विभाग की जांच में खुलासा हुआ कि फरजान ने अपने साथियों के साथ मिलकर साजिश रची और कई अन्य बोगस कंपनियों के साथ कागजी सांठगांठ की। इन लोगों ने कूटरचित (फर्जी) GSTR-1 और GSTR-2 तैयार किए और उनके आधार पर विभाग से 59,17,093 रुपए की आईटीसी क्लेम कर ली। यह पैसा सीधे तौर पर सरकारी खजाने की चोरी थी। जब विभाग को शक हुआ, तो प्रशासनिक अधिकारी अनूप कुमार की तहरीर पर सितंबर 2025 में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस टीम ने दोनों के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन फोन में 1 अगस्त 2025 की कुछ ऐसी वॉइस कॉल्स मिली हैं, जिनमें जीएसटी पासवर्ड और लॉगिन को लेकर बातचीत की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल में डिजिटल डेटा बहुत अधिक है और आरोपियों ने पकड़े जाने के डर से पुरानी व्हाट्सएप चैट

व्हाट्सएप चैट और वॉइस रिकॉर्डिंग ने खोली पोलः गिरफ्तार हुए सद्दाम और शाहरुख

एसआईटी के मुख्य विवेचक निरीक्षक संजय कुमार धीर और उनकी टीम ने डिजिटल साक्ष्यों और मोबाइल एनालिसिस के जरिए इस गैंग की कड़ी से कड़ी जोड़ी। पुलिस ने सोमवार रात करीब 12:40 बजे किला क्षेत्र से सद्दाम हुसैन और मोहम्मद समद उर्फ शाहरुख को धर दबोचा। पूछताछ में सद्दाम ने कुबूला कि वह फर्जी आईडी वाले सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रिटर्न्स दाखिल करता था। पुलिस को सद्दाम के मोबाइल से कई डिलीटेड चैट और वॉइस रिकॉर्डिंग मिली हैं, जिनमें फर्म की लॉगिन आईडी और पासवर्ड साझा किए जा रहे थे। शाहरुख ने स्वीकार किया कि वह मुख्य आरोपी फरजान के इशारे पर फर्जी दस्तावेजों की जालसाजी करता था और फरजान उन्हें काम के बदले नकद हिस्सा देता था।

4 बीघा में बन रहे होटल-गेस्ट हाउस सील, 50 बीघा जमीन पर चल रही प्लॉटिंग को नोटिस

कानपुर में अवैध प्लॉटिंग पर केडीए का एक्शन

> **केडीए ने आम लोगों से अपील की है कि वे केवल प्राधिकरण से स्वीकृत कॉलोनियों में ही प्लॉट खरीदें। प्लॉट खरीदने से पहले नक्शा और लेआउट की जांच अवश्य करें और प्राधिकरण से इसकी जानकारी प्राप्त कर लें।**

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में सिंहपुर, कल्याणपुर और कटरी ख्योरा क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग करने वालों के खिलाफ कानपुर विकास प्राधिकरण (KDA) का अभियान लगातार जारी है। सोमवार को केडीए की प्रवर्तन टीम (जोन-1बी) ने करीब चार बीघा जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण को सील कर दिया।

सील किए गए निर्माण में होटल और गेस्ट हाउस शामिल हैं। इसके अलावा करीब 50 बीघा जमीन पर हो रही अवैध प्लॉटिंग के मामले में नोटिस भी जारी किया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक दोनों स्थानों पर मानकों के विपरीत अवैध निर्माण किया जा रहा था। पुलिस नोटिस और कारण बताओ नोटिस

जारी होने के बावजूद चोरी-छिपे निर्माण कार्य जारी था। कार्रवाई के बाद दोनों परिसरों को कल्याणपुर थाने की पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया। इस दौरान अवर अभियंता हिमांशु बर्नवाल, रामऔतार, मनोज कुमार और राजकुमार समेत केडीए की टीम मौजूद रही।

विशेष कार्याधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह ने बताया कि दो अवैध प्लॉटिंग को चिन्हित किया गया है। इन मामलों में संतोषजनक जवाब न मिलने पर नियमानुसार सीलिंग या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। गंभीरपुर, सिंहपुर बाजार रोड पर अभिमन्यु, गौरव भदौरिया और अन्य लोगों द्वारा 32 बीघा जमीन पर प्लॉटिंग की जा रही है। वहीं रामलाल और अन्य द्वारा करीब 18 बीघा जमीन पर प्लॉटिंग कराई जा रही थी। दोनों स्थानों पर केडीए से स्वीकृत नक्शा या लेआउट नहीं मिला है।

नोटिस के बाद भी जारी था निर्माण

प्रवर्तन (जोन-1बी) की टीम ने विशेष कार्याधिकारी और एसडीएम डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की। बैरी अकबरपुर की आराजी संख्या 929 में हरि मोहन गुप्ता और अन्य लोगों द्वारा दो बीघा जमीन पर होटल के लिए निर्माण कराया जा रहा था, जिसे सील कर दिया गया। इसके अलावा आराजी संख्या 930 में दो बीघा क्षेत्रफल में गेस्ट हाउस के लिए किए जा रहे निर्माण पर भी सीलिंग की कार्रवाई की गई।

शेरनी नीरजा ने 4 शावकों को जन्म दिया दुलार करती दिखी

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा । इटावा सफारी पार्क में शेरनी नीरजा ने चार शावकों को जन्म दिया है। शेरनी और शावक स्वस्थ हैं। सीसीटीवी से उनकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। केज के आसपास 7 दिन तक पब्लिक या सामान्य कर्मचारी के जाने की अनुमति नहीं है। शावक नर हैं या मादा, यह एक सप्ताह के बाद पता चलेगा।

पार्क प्रबंधन ने शावकों के जन्म के बाद का वीडियो जारी किया है। इसमें शेरनी नीरजा अपने शावकों को दुलार रही है। शावक उसके पेट पर चढ़कर घूम रहे हैं। यह तीसरी बार है, जब नीरजा ने शावकों को जन्म दिया है। पहले से यहां पर 19 शेर रह रहे हैं। इटावा लॉयन सफारी में गुजरात के गिर से एशियाटिक शेरों को बसाया गया है।

सफारी प्रशासन के अनुसार शेर

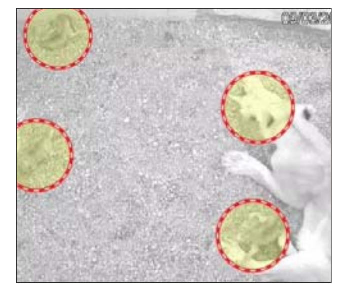

कान्हा और शेरनी नीरजा के बीच 18 नवंबर से 21 नवंबर 2025 के बीच मेटिंग हुई थी। इसके बाद आईवीआरआई बरेली में जांच के दौरान नीरजा के गर्भवती होने की पुष्टि हुई।

गर्भ की पुष्टि होने के बाद शेरनी को सफारी के ब्रीडिंग सेंटर में रखा गया, जहां डॉक्टरों और कीपरों की टीम उसकी विशेष देखभाल कर रही थी। प्रसव का समय होली के आसपास होने की संभावना को देखते हुए सफारी प्रशासन लगातार सतर्क रहा और सभी वन्यजीवों की निगरानी बढ़ा दी गई थी।

डेढ़ घंटे में चार शावक जन्में

इटावा सफारी पार्क के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पटेल ने बताया कि 8 मार्च की रात शेरनी नीरजा ने चार शावकों को जन्म दिया। पहला शावक रात 8 बजकर 25 मिनट पर पैदा हुआ। दूसरा शावक 9 बजकर 7 मिनट पर, तीसरा 9 बजकर 43 मिनट पर और चौथा शावक 9 बजकर 59 मिनट पर जन्मा।

उन्होंने बताया कि जन्म के बाद से ही चारों शावकों की स्थिति सामान्य है। शेरनी भी अपने बच्चों की अच्छी तरह देखभाल कर रही है। ब्रीडिंग सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से शावकों और शेरनी पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य पर निगरानी बनी रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान जंग पर विपक्ष...

लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। राज्यसभा की कार्यवाही अभी जारी है। मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं, और वेस्ट एशिया में स्थिरता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। ईरान में भी, कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं। सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं।

हमने दो भारतीय नाविकों (मर्चेंट शिपिंग) को खो दिया है, और एक अभी भी लापता है। मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें।

वेस्ट एशिया से हमारे लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है। 8 मार्च तक हमारे लगभग 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके हैं। संबंधित मंत्रालय जवाब देने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। लड़ाई लगातार बढ़ रही है। इलाके में सुरक्षा की स्थिति काफी खराब हो गई है। असल में, लड़ाई दूसरे देशों में भी फैल गई है। इससे तबाही और मौतें बढ़ रही हैं।

इजराइल-यूएस और ईरान के बीच लड़ाई जारी है, बल्कि कुछ खाड़ी देशों पर हमले भी हुए हैं। ईरान में लीडरशिप लेवल पर कई लोग मारे गए हैं, साथ ही इस इलाके में इंफ्रास्ट्रक्चर भी तबाह हुआ है। इस समय लीडरशिप लेवल पर ईरान के साथ कॉन्टैक्ट करना साफ तौर पर मुश्किल है। ईरान के विदेश मंत्री ने ईरानी वॉरशिप लावन को कोच्चि पोर्ट पर डॉक करने की इजाजत देने के भारत का शुक्रिया अदा किया है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- यह बहुत बुरा है कि कांग्रेस बहस से भाग रही है। स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन के लिए कांग्रेस के कहने पर एक नोटिस एडमिट किया गया था, जिसे उन्होंने ठीक से ड्राफ्ट भी नहीं किया था। इसे ठीक किया गया और फिर एडमिट किया गया। आज की तारीख डिस्कशन के लिए सोच-विचार के बाद तय की गई थी। जब एक मोशन एडमिट हो गया और यह तय हो गया कि आज इस पर डिबेट होगी, तो वे उसी समय दूसरा मोशन ले आए। गोयल ने कहा कि कांग्रेस को पार्लियामेंट्री प्रोसेस या प्रोसीजर समझ नहीं आता, न ही वे कॉन्स्टिट्यूशन की रिस्पेक्ट करते हैं।

राहुल गांधी 'विशेषर...

जो लोग बिहार और उसके एक्सप्रेशन को समझते हैं, वे समझ जाएंगे कि मेरा क्या मतलब है, लेकिन मैं ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहता।

दिल्ली शराब नीति ...

कोर्ट ने पूरे सबूतों को विस्तार से जांचना शुरू कर दिया, जैसे कि पूरा केस चल रहा हो। जबकि इस स्तर पर केवल सरसरी नजर से मामला देखा जाता है।

वहीं इस मामले पर AAP नेता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, केजरीवाल पर सभी आरोप बेबुनियाद और मनगढ़ंत थे। पीएम मोदी और अमित शाह को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा CBI और ED की ताकतों का गलत इस्तेमाल कर रही है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एजेंसी फिलहाल डिस्चार्ज आदेश पर रोक नहीं चाहती, लेकिन यह सुनिश्चित करना चाहती है कि ट्रायल कोर्ट का फैसला ED की मनी लॉन्ड्रिंग जांच को प्रभावित न करे। हाईकोर्ट ने एक्साइज पॉलिसी केस की जांच करने वाले CBI ऑफिसर के खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन लेने के ट्रायल कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगा दी है।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को मामले में आरोपी बनाए गए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिय समेत 23 लोगों को बरी कर दिया था।

फैसला आने के 6 घंटे के बाद ही CBI ने इसके खिलाफ हाइकोर्ट में अपील कर दी थी। CBI ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट से इसे रद्द करने की मांग की है।

वहीं, बरी होने के बाद कोर्ट से बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान केजरीवाल भावुक हो गए। उन्होंने कहा- मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार हैं।

इजराइल ने ईरान ...

उन्हें बीती रात ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था।

मिडिल-ईस्ट में जारी जंग के बीच भारत ने बहरीन में रह रहे अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावास ने लोगों से सतर्क रहने, सावधानी बरतने और स्थानीय प्रशासन के सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

एडवाइजरी में कहा गया है कि भारतीय नागरिक दूतावास और बहरीन के स्थानीय अधिकारियों की ओर से जारी अपडेट और निर्देशों पर नजर रखें और उसी के अनुसार कदम उठाएं।

दक्षिणी लेबनान के नबातियेह में इजराइल के हवाई हमले में रूसी कल्चर सेंटर पूरी तरह तबाह हो गया। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में किसी के घायल होने या मौत की खबर नहीं है।

बताया गया कि इजराइल ने नबातियेह इलाके में एयरस्ट्राइक किए, जिनमें कल्चर सेंटर की इमारत नष्ट हो गई। रूस की सरकारी एजेंसी रोससोट्रुडनिचेस्त्वो के प्रमुख येवगेनी प्रिमाकोव ने कहा है कि इस घटना को लेकर जल्द आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा। लेबनान के सशस्त्र संगठन हिजबुल्लाह ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला सैयद मुजतबा खामेनेई को बधाई दी है। उनकी नियुक्ति पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत के बाद हुई है।

35 साल से ईरान ...

ईरान के इस्लामिक कानून के मुताबिक, सुप्रीम लीडर बनने के लिए अयातुल्ला होना जरूरी है। यानी कि सुप्रीम लीडर का पद सिर्फ एक धार्मिक नेता को ही मिल सकता है।

डिलीवरी के 25-दिन...

सरकार का मानना है कि वेटिंग पीरियड को 25 दिन करने से बेवजह की बुकिंग पर लगाम लगेगी। इससे उन लोगों को आसानी से सिलेंडर मिल सकेगा जिन्हें वाकई जरूरत है।

ब्रह्मोस मिसाइल ...

ब्रह्मोस पाने वाला फिलीपींस पहला बाहरी देश है। भारत ने जनवरी 2022 में फिलीपींस से ब्रह्मोस मिसाइल की बिक्री के लिए 375 मिलियन डॉलर (3130 करोड़ रुपए) की डील की थी।

इंडियन एयरफोर्स ने C-17 ग्लोब मास्टर विमान के जरिए इन मिसाइलों को फिलीपींस मरीन कॉर्प्स को सौंपा। इन मिसाइलों की स्पीड 2.8 मैक और मारक क्षमता 290 किमी है। एक मैक ध्वनि की गति 332 मीटर प्रति सेकेंड होती है।

फिलीपींस को उस समय मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी मिली है, जब उसके और चीन के बीच साउथ चाइना सी में तनाव बढ़ा हुआ है। फिलीपींस ब्रह्मोस के 3 मिसाइल सिस्टम को तटीय इलाकों (साउथ चाइना सी) में तैनात करेगा, ताकि चीन के खतरे से निपटा जा सके।

ब्रह्मोस के हर एक सिस्टम में दो मिसाइल लॉन्चर, एक रडार और एक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर होता है।

इसके जरिए सबमरीन, शिप, एयरक्राफ्ट से दो ब्रह्मोस मिसाइलें 10 सेकेंड के अंदर दुश्मन पर दागी जा सकती है। इसके अलावा भारत फिलीपींस को मिसाइल ऑपरेट करने की भी ट्रेनिंग देगा।

ब्रह्मोस को भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और रूस के फेडरल स्टेट यूनिटरी इंटरप्राइज NPOM के बीच साझा समझौते के तहत विकसित किया गया है। ब्रह्मोस एक मध्यम श्रेणी की स्टील्थ रैमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है।

लगातार 2 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, पहली बार होम टीम ने टाइटल जीता

भारत टी-20 में तीसरी बार वर्ल्ड चैंपियन, न्यूजीलैंड को हराया

अहमदाबाद, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का एक विज्ञापन आया। इसमें रोहित कहते नजर आए- 'टीम इंडिया हिस्ट्री रिपीट भी करेगी और टीम इंडिया हिस्ट्री डिफीट भी करेगी।' सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर हिस्ट्री रिपीट भी की और हिस्ट्री डिफीट भी की। अभिषेक के आउट होने के बाद ईशान किशन क्रीज पर आए। सैमसन ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। इस जोड़ी ने 48 बॉल पर 105 रन जोड़े। इसकी मदद से टीम इंडिया का स्कोर 15 ओवर में 200 के पार पहुंच गया। 256 रन का टारगेट चेज कर रही न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले में 52 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए। फिन एलन (9 रन), रचिन रवींद्र (एक रन) और ग्लेन फिलिप्स (5 रन) जल्दी आउट हो गए। शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने के बावजूद ओपनर टिम साइफर्ट ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने 26 बॉल पर 52 रन की पारी भी खेली। उनके अलावा कप्तान मिचेल सैंटनर ने 43 रन बनाए, लेकिन टीम की हार नहीं टाल सके। टीम 19 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। फाइनल मुकाबले में 15 रन देकर 4 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। वहीं, 5 मैच में 3 फिफ्टी के सहारे 321 रन बनाने वाले संजू सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

> **एक समय लग रहा था कि भारतीय टीम 20 ओवर में 300 रन का आंकड़ा पार कर लेगी। हालाकि, 16वां ओवर लेकर आए जिमी नीशम ने एक ओवर में 3 विकेट लेकर रन रेट पर ब्रेक लगा दिया। उन्होंने पहली बॉल पर संजू सैमसन (89 रन), 5वीं बॉल पर ईशान किशन (54 रन) और आखिरी बॉल पर कप्तान सूर्यकुमार यादव (जीरो) को पवेलियन भेजा।**

2024 का कारनामा 2026 में दोहराया

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। टीम ने बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को 7 रन के अंतर से हराया। आज टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का कारनामा 2026 में भी दोहरा दिया। ऐतिहासिक फाइनल मुकाबले की शुरुआत भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कप्तानों के साथ हुई। 2007 के टी-20 वर्ल्ड चैंपियन कप्तान एमएस धोनी और 2024 के टी-20 वर्ल्ड चैंपियन कप्तान रोहित शर्मा ट्रॉफी लेकर मैदान में आए। भारतीय ओपनर्स ने 98 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इसे रचिन रवींद्र ने अभिषेक शर्मा को कैच आउट कराकर तोड़ा। अभिषेक 21 गेंदों में 52 रन बनाकर आउट हो गए। यह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है।

जीत द्रविड़ और लक्ष्मण को समर्पित : गौतम गंभीर

संजू ने कहा- सचिन की सलाह काम आई, सूर्या ने बुमराह को राष्ट्रीय धरोहर बताया

अहमदाबाद, एजेंसी

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टीम तीसरी बार टी-20 में वर्ल्ड चैंपियन बनी। अहमदाबाद में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट के आखिरी तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन के कारण सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल की अहम पारियां शामिल हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के 5 मैचों में 321 रन बनाए। संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय सचिन तेंदुलकर से हुई बातचीत को दिया। वहीं, कप्तान सूर्या ने जसप्रीत बुमराह को नेशनल धरोहर बताया। सैमसन ने कहा, जब मैं ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज के दौरान बाहर बैठा था और खेलने का मौका नहीं मिल रहा था, तब मैंने सोचा कि मुझे किस तरह का मानसिक नजरिया चाहिए। पिछले दो महीनों से मेरी सचिन सर से लगातार बात हो रही थी। मैंने उनसे संपर्क किया और लंबी बातचीत की। उनसे मार्गदर्शन मिलना बहुत बड़ी बात है। मैच से पहले भी उन्होंने फोन कर पूछा कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। उनसे मिली सलाह, तैयारी और खेल को समझने की बात मेरे लिए बहुत मददगार रही। सैमसन ने बताया कि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज उनके लिए बेहद मुश्किल रही। उस सीरीज में उन्होंने पांच पारियों में सिर्फ 46 रन बनाए थे और बाद में प्लेइंग इलेवन से भी बाहर हो गए थे। इसके बाद सुपर-8 स्टेज में उन्हें फिर मौका मिला और उन्होंने लगातार तीन अहम मैचों में 97 नाबाद, 89 और 89 रन की पारियां खेलीं। टूर्नामेंट में उन्होंने पांच मैचों में 321 रन बनाए, जो प्रतियोगिता में तीसरा सबसे ज्यादा स्कोर रहा। उनका स्ट्राइक रेट 199.37 रहा। सैमसन ने कहा, न्यूजीलैंड सीरीज के बाद मैं पूरी तरह टूट गया था। मुझे लगा था कि मेरे सपने खत्म हो गए हैं। लेकिन शायद भगवान की अलग योजना थी।

28 मार्च से शुरू होगा आईपीएल 2026

टी-20 वर्ल्डकप फाइनल से पहले ऐलान, बंगाल-तमिलनाडु समेत 5 राज्यों में चुनावों के चलते शेड्यूल बदला

मुबंई, एजेंसी

IPL 2026 की शुरुआत 28 मार्च को होगी। इसकी घोषणा रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले भारत-न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स ने की। पहले टूर्नामेंट 26 मार्च से शुरू होना था, लेकिन तमिलनाडु, केरल, असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में होने वाले चुनावों के कारण शेड्यूल में बदलाव किया गया है। हालांकि IPL की ओर से अभी तक टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। 2008 में IPL शुरू होने के बाद जब भी देश में आम चुनाव (2009, 2014, 2019 और 2024) या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, टूर्नामेंट का शेड्यूल दो हिस्सों में जारी किया गया है। ऐसे में संभावना है कि इस बार भी BCCI ऐसा ही करेगा। IPL में परंपरा रही है कि टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच, क्वालिफायर-2 और फाइनल मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन टीम के होमग्राउंड पर रखा जाए। पिछले साल का ओपनिंग मैच 2024 की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के होमग्राउंड पर हुआ था। इसी तरह इस बार के मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जाएंगे। BCCI ने पिछले साल दिसंबर में अबू धाबी में हुई IPL नीलामी के दौरान फ्रेंचाइजियों को बताया था कि सीजन 26 मार्च से 31 मई तक चलेगा। उस समय 26 मार्च से शुरुआत तय मानी जा रही थी। हालांकि, अगर ओपनिंग डेट आगे बढ़ती है तो फाइनल की तारीख नहीं बदलेगी। क्योंकि 31 मई को रविवार है और अक्सर बड़े स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में खिताबी मुकाबले रविवार को ही होते हैं।

चेपॉक, ईडन गार्डन्स में होते हैं मैच

विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में तीन ऐसे प्रमुख स्टेडियम हैं जो IPL वेन्यू के रूप में इस्तेमाल होते रहे हैं। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) चेन्नई सुपर किंग्स का होम ग्राउंड है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित ईडन गार्डन्स कोलकाता नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान है, जबकि असम के गुवाहाटी में बना बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स का सेकेंड होम वेन्यू रहा है।

बेंगलुरु में होगा ओपनिंग और फाइनल मैच

कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन (KCA) के सेक्रेटरी संतोष मेनन ने कन्फर्म किया कि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही ओपनिंग और फाइनल मैच खेले जाएंगे। होम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) इस बार अपने 5 होम मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी। RCB के बाकी दो होम मैच छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। पिछले सीजन की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने 2025 के फाइनल में अहमदाबाद में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था।

बीसीसीआई ने पिछले साल दिसंबर में अबू धाबी में हुई आईपीएल नीलामी के दौरान फ्रेंचाइजियों को बताया था कि सीजन 26 मार्च से 31 मई तक चलेगा। उस समय 26 मार्च से शुरुआत तय मानी जा रही थी।

मनोरंजन

रिपोर्ट के मुताबिक, जब घर के बाहर गोलियां चल रही थीं, तब रिहाना अपने घर के अंदर ही मौजूद थीं। हालांकि, हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस अभी इस बात की जांच कर रही है कि महिला ने रिहाना को ही निशाना बनाया था या इसके पीछे कोई और वजह थी। फिलहाल रिहाना की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सिर्फ मुंबई ही नहीं, गैंगस्टर्स ने विदेश में भी भारतीय सितारों को निशाना बनाया है। कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर तीन बार फायरिंग की गई थी। इस हमले के तार भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग और गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से जुड़े पाए गए थे। रिहाना के मामले में भी पुलिस अब अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन और गैंग्स के एंगल से जांच कर रही है।

बेवर्ली हिल्स वाले घर पर महिला ने चलाईं 10 गोलियां, घर में मौजूद सिंगर सुरक्षित

पॉप सिंगर रिहाना के घर पर फायरिंग

मुबंई, एजेंसी

हॉलीवुड की मशहूर पॉप सिंगर रिहाना के घर के बाहर फायरिंग की घटना सामने आई है। इस घटना में रिहाना सुरक्षित हैं और कोई घायल नहीं हुआ है। लॉस एंजिल्स पुलिस ने इस मामले में एक 30 साल की महिला को हिरासत में लिया है। लॉस एंजिल्स पुलिस के मुताबिक, यह घटना कैलिफोर्निया (अमेरिका) के समय के अनुसार रविवार दोपहर करीब 1:21 बजे हुई। रिहाना के बेवर्ली हिल्स स्थित घर के गेट के सामने, सड़क के दूसरी तरफ खड़ी एक गाड़ी से 10 गोलियां चलाई गईं। लॉस एंजिल्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, एक गोली घर की दीवार को चीरते हुए आर-पार हो गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध महिला को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। रिहाना इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं। सितंबर 2025 में उन्होंने अपने तीसरे बच्चे को जन्म दिया था।

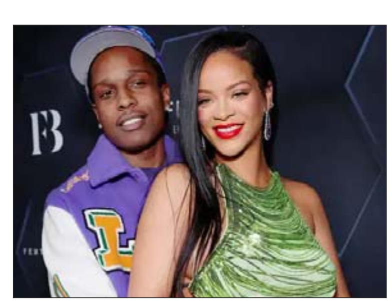

सलमान और रोहित शेट्टी के घर भी हो चुका हमला

फिल्मी सितारों के घर पर फायरिंग का यह सिलसिला भारत से शुरू होकर अब हॉलीवुड तक जा पहुंचा है। अप्रैल 2024 में सलमान खान के मुंबई स्थित 'गैलेक्सी अपार्टमेंट' पर फायरिंग हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी।

हाल ही में तीसरी बार मां बनी हैं रिहाना

रिहाना इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं। सितंबर 2025 में उन्होंने अपने तीसरे बच्चे को जन्म दिया था। उन्होंने रैपर AAP रॉकी के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस से साझा की थी। रिहाना ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने हमेशा सोचा था कि पहले शादी होगी और फिर बच्चा, लेकिन जिंदगी में चीजें हमेशा तय पैटर्न पर नहीं चलतीं।

आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा की रिलीज डेट हुई अनाउंस

10 जुलाई को रिलीज होगी स्पाई यूनिवर्क की फिल्म

मुबंई, एजेंसी

आलिया भट्ट, शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल स्टारर स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' 10 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स (YRF) ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की है। पहले यह फिल्म 2025 में आने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फिल्म 'अल्फा' को लेकर पहले यह चर्चा थी कि इसे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स को नेटफ्लिक्स की ओर से 215 करोड़ रुपए की डील का ऑफर मिला था। हालांकि, आदित्य चोपड़ा और उनकी टीम ने इसे ठुकरा दिया। इस फिल्म में पहली बार आलिया भट्ट और शरवरी वाघ लीड रोल में जासूसी करती नजर आएंगी। फिल्म में दोनों का हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेगा। इनके साथ ही अनिल कपूर और बॉबी देओल भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में हैं। हालांकि, मेकर्स ने अब तक उनके किरदारों को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की है। फिल्म 'अल्फा' की घोषणा साल 2024 में की गई थी। पहले इसे 17 अप्रैल 2026 को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब नई तारीख 10 जुलाई तय की गई है।

एनटीआर के फैंस ने हॉस्पिटल में की तोड़फोड़

उदघाटन करने पहुंचे एक्टर को देखने उमड़ी भीड़, अफरा-तफरी मची

बेंगलुरु, एजेंसी

साउथ फिल्म स्टार जूनियर एनटीआर के बेंगलुरु दौरे के दौरान एक कार्यक्रम में भारी भीड़ के कारण अफरा-तफरी मच गई। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। हॉस्पिटल उद्घाटन में पहुंचे थे अभिनेता जानकारी के अनुसार 8 मार्च को जूनियर एनटीआर बेंगलुरु स्थित KIMS Super Speciality Hospital के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। उनके आने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में फैंस अस्पताल परिसर में पहुंच गए, जिससे वहां भीड़ बेकाबू होने लगी। जूनियर एनटीआर से पहले अल्लू अर्जुन और थलापति विजय की रैली में भी बड़े हादसे हो चुके हैं। बीते साल सितंबर थलापति की एक पॉलिटिकल रैली में भगदड़ होने से 40 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग में अल्लू अर्जुन के अचानक हैदराबाद के संध्या थिएटर पहुंचने से भी भीड़ बेकाबू हो गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी। जबकि कई घायल थे। घटना के बाद अल्लू अर्जुन के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी।

> **66 अभिनेता के पहुंचते ही फैंस उनके करीब जाने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे और इस दौरान जूनियर एनटीआर कुछ समय के लिए भीड़ में फंस गए। सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय प्रशासन की मदद से काफी मशक्कत के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया।**

हंगामे में एस्केलेटर भी टूटा

अफरा-तफरी के दौरान कुछ लोगों ने अस्पताल परिसर में लगे एस्केलेटर को नुकसान पहुंचा दिया। हालात बिगड़ते देख पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और भीड़ को काबू में करने के लिए लाठीचार्ज किया गया।

पहले भी हो चुके हैं ऐसे हादसे

इससे पहले भी फिल्मी सितारों के कार्यक्रमों में भीड़ बेकाबू होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। साउथ स्टार अल्लू अर्जुन और थलापति विजय के कार्यक्रमों में भी भीड़ के कारण बड़े हादसे हो चुके हैं। फिल्म Pushpa 2: The Rule की स्क्रीनिंग के दौरान अल्लू अर्जुन के हैदराबाद के एक थिएटर पहुंचने पर भी भीड़ बेकाबू हो गई थी, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी जबकि कई लोग घायल हुए थे।

हेलेन और मुकेश खन्ना समेत कई सेलेब्स श्रद्धांजलि देने पहुंचे

करणवीर बोहरा के पिता महेंद्र बोहरा की प्रेयर मीट

मुंबई। मुंबई के खार इलाके में रविवार को टीवी एक्टर करणवीर बोहरा के पिता और फिल्म प्रोड्यूसर महेंद्र बोहरा की प्रेयर मीट रखी गई। महेंद्र बोहरा के निधन के बाद परिवार और करीबी लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। प्रेयर मीट में कई फिल्म और टीवी जगत की हस्तियां नजर आईं। एक्ट्रेस हेलेन और एक्टर मुकेश खन्ना समेत कई सेलेब्स पहुंचे और दिवंगत महेंद्र बोहरा को श्रद्धांजलि दी। बता दें कि महेंद्र बोहरा लंबे समय से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे। उन्होंने प्रोड्यूसर के तौर पर तेजा और प्यार का कर्ज जैसी फिल्मों में काम किया था। महेंद्र बोहरा के निधन की जानकारी बेटे करणवीर ने सोशल मीडिया के जरिए दी थी। करणवीर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर पिता को याद करते हुए लिखा था, "लव यू डैड। मैं आपको शब्दों से ज्यादा मिस करूंगा। जिसने भी अपने माता-पिता को खोया है, वह जानता है कि यह दर्द कैसा होता है, लेकिन इस दुख के बीच मुझे सुकून है कि आपने एक अच्छी और पूरी जिंदगी जी।"

विदेश मंत्री अराघची बोले- अमेरिकी सीनेटर ग्राहम और नेतन्याहू ने मिलकर साजिश की

ईरान का दावा- ट्रम्प को युद्ध के लिए उकसाया गया

तेहरान/वॉशिंगटनः

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाया गया। उनका कहना है कि इस पूरे मामले में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भूमिका रही है। अराघची ने यह भी आरोप लगाया कि लिंडसे ग्राहम ने बेंजामिन नेतन्याहू को यह सलाह दी कि वे ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कदम उठाने के लिए किस तरह मना सकते हैं। अराघची के मुताबिक किसी भी देश में ऐसी गतिविधि को देशद्रोह जैसा माना जा सकता है। सऊदी सिविल डिफेंस के मुताबिक मिसाइल गिरने से आवासीय इमारत को नुकसान पहुंचा और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अमेरिका के एक वरिष्ठ कैथोलिक धर्मगुरु कार्डिनल ब्लेज़ क्यूपिच ने व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक वीडियो मोंटाज को "भयावह" और "घिनौना" बताया है। यह वीडियो सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म X पर "Justice the American way" कैप्शन के साथ पोस्ट किया गया था। लगभग 42 सेकंड के इस वीडियो में हॉलीवुड फिल्मों के दृश्यों को ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों के वास्तविक फुटेज के साथ मिलाकर दिखाया गया था। जो पोप लियो XIV के करीबी कार्डिनल क्यूपिच ने अपने बयान में कहा- एक असली युद्ध, जिसमें असली मौत और असली पीड़ा है, उसे वीडियो गेम की तरह पेश करना बेहद घिनौना है।

इजराइल में कई बार हुई मुलाकातें

अराघची के अनुसार, हाल के हफ्तों में लिंडसे ग्राहम कई बार इजराइल गए और वहां की खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों से मुलाकात की। इन बैठकों में ईरान से जुड़े मुद्दों और क्षेत्रीय सुरक्षा हालात पर चर्चा हुई। ईरानी विदेश मंत्री का दावा है कि ग्राहम ने कहा था कि उन्हें इजराइल से ऐसी खुफिया जानकारी मिलती है जो कभी-कभी अमेरिकी सरकार भी साझा नहीं करती। इसी जानकारी के आधार पर डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजी करने की कोशिश की गई।

रडार सिस्टम को निशाना बनाने का दावा

इससे पहले Islamic Revolutionary Guard Corps ने दावा किया था कि उसने अल-खार्ज समेत कई स्थानों पर रडार सिस्टम को निशाना बनाया है। मिसाइल गिरने की घटना भी इसी इलाके में सामने आई है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत सरकार पहले ही सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर चुकी है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सऊदी अरब में मिसाइल हमले में भारतीय की मौत

इसी बीच सऊदी अरब के अल-खार्ज इलाके में एक रिहायशी परिसर पर मिसाइल गिरने से एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार इस हमले में 12 अन्य बांग्लादेशी नागरिक घायल हुए हैं।

सोना ₹817 बढ़कर ₹1.60 लाख पर पहुंचा

इस साल कीमत में ₹26 हजार का इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में लगातार तीन दिन गिरावट के बाद आज तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 817 रुपए बढ़कर 1.60 लाख पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 1.58 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 2,080 रुपए बढ़कर 2.63 लाख पर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए प्रति किलो थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26,373 रुपए और चांदी 32,383 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम

हाई भी बनाया था। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी UBS के अनुसार सोने की मांग में तेजी बनी हुई है। 2025 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा था। अब अनुमान है कि 2026 में यह खरीदारी बढ़कर 950 टन तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही, गोल्ड ईटीएफ (ETF) में निवेश भी बढ़कर 825 टन होने की उम्मीद है। UBS को पूरा भरोसा है कि 2026 में सोने की कीमतें और ऊपर जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, साल के बीच तक सोना 6,200 डॉलर प्रति औंस के ऊंचे स्तर को छू सकता है।

नेपाल संसदीय चुनाव में 14 महिलाओं की जीत

आरएसपी ने 13 सीटों पर दर्ज की बड़ी सफलता

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में हाल ही में संपन्न संसदीय चुनाव में 14 महिलाएं संसद के लिए चुनी गई हैं, जो कुल सीटों का करीब आठ प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। इनमें से 13 सीटों पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने जीत दर्ज की है, जबकि एक सीट नेपाली कांग्रेस के खाते में गई है। यह आंकड़ा पिछले चुनावों की तुलना में बेहतर माना जा रहा है। वर्ष 2022 के चुनाव में केवल 9 महिला उम्मीदवार ही जीत पाई थीं, जो कुल सीटों का करीब 5.45 प्रतिशत थीं। नेपाल के संविधान में संसद में महिलाओं के लिए कम

से कम 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व का प्रावधान है, लेकिन अब तक राजनीतिक दल इस लक्ष्य को पूरा करने में सफल नहीं हो पाए हैं। प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के तहत इस बार 14 महिलाओं की जीत के साथ उनका प्रतिनिधित्व लगभग 8.48 प्रतिशत तक पहुंचा है। नेपाल की प्रतिनिधि सभा में कुल 275 सीटें हैं। इनमें से 165 सदस्य प्रत्यक्ष चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 110 सदस्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से संसद में आते हैं। इस बार चुनाव में कई महिला उम्मीदवारों ने बड़े नेताओं को हराकर जीत हासिल की। इंदिरा रनमागर ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए सीपीएन-यूएमएल के नेता और भंग हुई प्रतिनिधि सभा के स्पीकर देव राज घिमिरे को 48,742 वोटों के अंतर से हराया। रनमागर को 60,110 वोट मिले, जबकि घिमिरे को 11,368 वोट प्राप्त हुए। इसी तरह रुबिना आचार्य ने नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शेखर कोइराला को बड़े अंतर से पराजित किया। आचार्य को 55,513 वोट मिले, जबकि कोइराला को 12,850 वोट मिले।

भारी बारिश के बाद जकार्ता के पास कचरे का विशाल ढेर ढहा, 300 से ज्यादा बचावकर्मी राहत कार्य में जुटे

इंडोनेशिया में लैंडफिल धंसने से 5 की मौत, कई लोग लापता

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया के सबसे बड़े लैंडफिल में कचरे का विशाल ढेर ढहने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोगों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि यह हादसा लगातार हुई भारी बारिश के बाद हुआ, जिससे कचरे का पहाड़ अचानक ढह गया। यह दुर्घटना राजधानी जकार्ता के पास बेकासी में स्थित बंटारगेबांग वेस्ट ट्रीटमेंट फैसिलिटी में रविवार देर रात हुई। कचरे का बड़ा हिस्सा अचानक खिसक कर नीचे आ गया, जिससे आसपास मौजूद लोग और वाहन मलबे में दब गए। घटना के बाद

मौके पर राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए 300 से अधिक बचावकर्मियों को तैनात किया गया है। बचाव दल भारी मशीनों, खुदाई करने वाले उपकरणों और खोजी कुत्तों की मदद से मलबा हटाने का काम कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, कचरे के ढेर काफी अस्थिर हैं, इसलिए बचाव अभियान बेहद सावधानी से चलाया जा रहा है। किसी भी समय कचरे का और हिस्सा ढहने का खतरा बना हुआ है, जिससे राहत कार्य में कठिनाई आ रही है।

क्षमता से अधिक भरा हुआ है लैंडफिल

बंटारगेबांग लैंडफिल में जकार्ता का ज्यादातर घरेलू कचरा जमा किया जाता है। यह स्थल अपनी निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक भर चुका है और इसे लेकर पहले भी कई बार चेतावनी दी जा चुकी है। सरकार ने पिछले साल के अंत में इस लैंडफिल को साफ करने के लिए दो साल का लक्ष्य तय किया था। नए नियमों के तहत अब कचरे को बिजली या ऊर्जा में बदलने की योजना पर काम किया जा रहा है, ताकि खुले में कचरा फेंकने की पुरानी व्यवस्था को बदला जा सके।

पुलिस, सेना और स्वयंसेवकों की टीमें अभी भी तीन लापता लोगों की तलाश में जुटी हुई हैं। अधिकारियों का कहना है कि मलबे के नीचे कई वाहन और मजदूर फंसे हो सकते हैं, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। बंटारगेबांग लैंडफिल में जकार्ता शहर का ज्यादातर घरेलू कचरा जमा किया जाता है।

ड्राइवर और दुकानदार भी हादसे का शिकार

हादसे में मारे गए लोगों में दो कचरा ट्रक चालक और दो छोटे खाद्य स्टॉल चलाने वाले लोग शामिल हैं। ये लोग लैंडफिल के पास काम कर रहे थे या आराम कर रहे थे। हालांकि चार लोग इस दुर्घटना में सुरक्षित बचने में सफल रहे।

बचाव कार्य में 300 से ज्यादा कर्मी तैनात

मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए 300 से अधिक बचावकर्मियों को तैनात किया गया है। बचाव दल भारी मशीनों और खोजी कुत्तों की मदद से राहत और खोज अभियान चला रहे हैं। देसियाना कार्तिका बहारी ने बताया कि कचरे के ढेर अस्थिर हैं, इसलिए बचाव दल बेहद सावधानी से काम कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, पहली बार 92.33 पर आया

नई दिल्ली। भारतीय रुपया आज 9 मार्च को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 46 पैसे गिरकर 92.33 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालात के बीच ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी तेजी और डॉलर के मजबूत होने की वजह से रुपए में यह बड़ी गिरावट आई है। एक्सपर्ट्स का कहना है।

ईरान से खामेनेई की तस्वीर लेकर थाईलैंड लौटा बच्चा

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग का आज दसवां दिन है। लगातार हो रहे हमलों के बीच आम लोगों की जिंदगी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। कहीं लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर शरण लेने को मजबूर हैं, तो कहीं डर और अनिश्चितता के बीच परिवार बिखर रहे हैं। युद्ध के बीच कई देशों ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू किया है। ऐसे ही निकासी अभियान में ईरान से थाईलैंड लौटे एक 5 साल के बच्चे के हाथ में खामेनेई की तस्वीर दिखी।

केंद्रीय बैंक ने ओएमओ के जरिए बैंकिंग सिस्टम में डाले 50000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को ओपन मार्केट ऑपरेशन (OMO) के तहत सरकारी प्रतिभूतियां खरीदकर बैंकिंग सिस्टम में 50,000 करोड़ रुपये की तरलता डाली। 7.30% जीएस 2053 के 6,955 करोड़ रुपये, 7.18% जीएस 2033 के 4,479 करोड़ रुपये, 6.92% जीएस 2039 के 2,304 करोड़ रुपये और 6.19% जीएस 2034 के 1,104 करोड़ रुपये के बॉन्ड शामिल हैं।

शेख मुजीब के 7 मार्च भाषण को लेकर विवाद, छात्रों की गिरफ्तारी पर अवामी लीग का आरोप

ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों से मारपीट और यातना का दावा, सरकार और बीएनपी की आलोचना

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश अवामी लीग ने आरोप लगाया है कि ढाका विश्वविद्यालय के कई छात्रों और अन्य लोगों के साथ मारपीट की गई और उन्हें केवल इसलिए गिरफ्तार कर लिया गया क्योंकि वे शेख मुजीबुर्रहमान का 7 मार्च 1971 का ऐतिहासिक भाषण चला रहे थे। अवामी लीग ने तारीक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की आलोचना करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार भी उसी रास्ते पर चलती दिखाई दे रही है, जिस पर पहले मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार चली थी। पार्टी के मुताबिक, बंगबंधु के ऐतिहासिक भाषण को अपराध मानते हुए शाहबाग थाना ने शनिवार को ढाका विश्वविद्यालय के कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया।

अवामी लीग ने दावा किया कि गिरफ्तारी से पहले छात्रों के साथ चरमपंथियों ने दुर्व्यवहार किया और उन्हें यातनाएं दी गईं। अवामी लीग के अनुसार, कई रिक्शा चालकों को धनमंडी 32 से भी गिरफ्तार किया गया। यह वही ऐतिहासिक स्थान है जहां पहले भी हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं हो चुकी हैं। बताया गया कि ये लोग राष्ट्रपिता की स्मृति को सम्मान देने के लिए वहां पहुंचे थे। अवामी लीग ने कहा कि अतीत में बांग्लादेश की कई सैन्य और नागरिक सरकारों ने 7 मार्च की ऐतिहासिक घटना को देश के इतिहास से मिटाने की कोशिश की थी, लेकिन जनता की स्मृति में इस दिन का महत्व लगातार बना हुआ है। 1971 में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध की शुरुआत करने वाले इस भाषण के महत्व को बताते हुए अवामी लीग ने कहा कि बांग्लादेश राष्ट्र की स्थापना के लिए निर्णायक संघर्ष 7 मार्च 1971 को शुरू हुआ और 10 जनवरी 1972 को खत्म हुआ। 7 मार्च को बंगबंधु के ऐतिहासिक भाषण से शुरू हुआ यह युद्ध राष्ट्रपिता की अपने देश वापसी के साथ अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचा।

आतंकवाद विरोधी कानून में दर्ज किए गए केस

पार्टी ने कहा कि बाद में इन लोगों को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दर्ज मामलों में अदालत में पेश किया गया। अवामी लीग का आरोप है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में भी कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को इसी वजह से परेशान किया गया और उन पर भीड़ द्वारा हमले किए गए। शेख मुजीबुर्रहमान के 7 मार्च 1971 के भाषण को बांग्लादेश के इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी भाषण के बाद पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बांग्लादेश मुक्ति युद्ध की शुरुआत हुई थी, जो 10 जनवरी 1972 को उनकी देश वापसी के साथ अपने अंतिम चरण में पहुंचा।

ईरान जंग से कच्चा तेल 2022 के बाद सबसे महंगा

115 डॉलर के पार निकला, एक्सपर्ट बोले- 150 डॉलर तक पहुंच सकती हैं कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम साढ़े तीन साल के हाई पर पहुंच गए हैं। आज यानी 9 मार्च को ये 25% बढ़कर 116 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन जंग से कच्चा तेल 100 डॉलर के पार निकला था। क्रूड ऑयल बढ़ने की सबसे बड़ी वजह 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के

लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के जवाब में, ईरान ने कतर, सऊदी अरब और कुवैत की ऑयल फैसिलिटीज पर ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों के कारण इन देशों को अपने उत्पादन में कटौती करनी पड़ी है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने धमकी दी है कि वे क्षेत्र के अन्य ऊर्जा ठिकानों को भी निशाना बनाएंगे। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया था कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी जा रही है। इसके लिए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओर से भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के बाद भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया था, लेकिन अमेरिका भारत पर इसकी खरीद रोकने का दबाव बनाता रहा है। पिछले साल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया था। हालांकि, इस साल ट्रेड डील के ऐलान के बाद उन्होंने इस टैरिफ को हटा दिया।

रुपया 92.28 के ऑलटाइम लो पर पहुंचा, कच्चा तेल 10 दिन में 60% चढ़ा

ईरान जंग से सेंसेक्स 1800 अंक गिरकर 77,200 पर

मुंबई। अमेरिका-इजराइल और ईरान के कारण शेयर बाजार में आज यानी 9 मार्च को बड़ी गिरावट है। सेंसेक्स करीब 1800 अंक (2.20%) नीचे 77,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 550 अंक (2.20%) की गिरावट है, ये 23,900 पर कारोबार कर रहा है। आज बैंक, ऑटो, मेटल, एनर्जी और FMCG शेयरों में ज्यादा बिकवाली है। जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक अपने शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच छिड़ी जंग से निवेशकों की वेल्थ 25 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा घट गई है। जंग शुरू होने से पहले यानी 27 फरवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE)

एशियाई बाजारों में गिरावट

- साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 7% चढ़कर 5,166 पर कारोबार कर रहा।
- जापान का निक्केई 3,880 अंक या 7% चढ़कर 51,740 पर कारोबार कर रहा।
- हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 676 अंक या 3% चढ़कर 25,081 पर कारोबार कर रहा।
- चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 47 अंक या 1% ऊपर 4,075 पर कारोबार कर रहा।

चांदी 2000 हजार और सोना 800 रुपए महंगा

सोने और चांदी के दामों में आज यानी 9 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 800 रुपए बढ़कर 1.60 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी 2000 रुप ए बढ़कर 2.63

बाजार गिरने की 3 मुख्य वजहें

- ईरान-इजराइल युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ने का डर।
- कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत का इंपोर्ट बिल और महंगाई बढ़ेगी।
- अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारत पर।

डॉलर के मुकाबले रुपया ऑल टाइम लो पर

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 46 पैसे कमजोर होकर 92.28 के स्तर पर पहुंच गया है। यह रुपए का अब तक का सबसे निचला स्तर है। मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालात के बीच कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी तेजी की वजह से रुपए में यह कमजोरी आई है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96